RNI No. : TNHIN/2013/52522 • वर्ष - 13 • अंक - 169 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 13-01-2026 • www.dakshinbharat.com • Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अपने बल्ले से जवाब देते हैं कोहली : श्रेयस अय्यर
6 अमेरिका का इतिहास रहा है सैन्य दखल
7 'मर्दानी 3' बच्चियों के किडनैप की गुत्थी को सुलझाती दिखेंगी रानी मुखर्जी

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति मुर्मू ने लोहड़ी पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की शुभकामनाएं देते हुए सोमवार को कहा कि ये पर्व हमारी समृद्ध कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने एक संदेश में कहा कि इस शुभ अवसर पर ''मैं कामना करती हूं कि हमारे समाज में प्रेम एवं एकजुटता की भावना और मजबूत हो तथा हम सभी मिलकर एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की दिशा में कार्य करें।'' उन्होंने कहा कि ये त्योहार हमारी समृद्ध कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं। मुर्मू ने लोहड़ी (जो मंगलवार को मनाई जाएगी) तथा मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू (जो बुधवार को मनाए जाएंगे) की ''देश और विदेश में रह रहे सभी भारतीयों'' को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

रविवार के दिन पेश किया जाएगा बजट : ओम बिरला

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले वित्त वर्ष के लिए आम बजट एक फरवरी को पेश करेंगी जो रविवार का दिन है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को यह घोषणा की। सीतारमण का यह नौवां बजट होगा, जो पूर्व वित्त मंत्री मोरारजी देसाई द्वारा प्रस्तुत 10 बजट से एक कम है। संसद के बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संसद की संयुक्त बैठक में अभिभाषण के साथ होगी। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद सीतारमण दोनों सदनों में आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत कर सकती हैं। वह एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी, जिसे सरकार ने बजट दिवस घोषित किया है।

ट्रंप ने एक बार फिर दी क्यूबा को चेतावनी

वेस्ट पाम बीच (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अपदस्थ होने के बाद संकट में घिरी क्यूबा की सरकार को एक बार फिर चेतावनी दी। क्यूबा वेनेजुएला के तेल का सबसे बड़ा लाभार्थी है। हालांकि वेनेजुएला पर अमेरिका के नियंत्रण के बाद क्यूबा को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया पर कहा कि क्यूबा लंबे समय तक वेनेजुएला के तेल और पैसे पर निर्भर रहा और इसके बदले उसने वेनेजुएला को सुरक्षा मुहैया कराई, 'लेकिन अब और नहीं।' ट्रंप ने कहा, ''क्यूबा को अब और तेल या पैसा नहीं मिलेगा। इससे पहले कि बहुत देर हो, मैं उन्हें कोई समझौता करने का सुझाव देना चाहूंगा।'' हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह क्यूबा के साथ किस प्रकार का समझौता करना चाहते हैं।

13-01-2026 सूर्यास्त	14-01-2026 सूर्योदय
6:00 बजे	6:34 बजे

BSE	NSE
83,878.17	25,790.25
(+301.93)	(+106.95)

सोना	चांदी
14,462 रु.	275,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

लोकतंत्र पर महादुर्योग

हैं लोकतंत्र के चार स्तंभ,
इनकी जड़ होता संविधान।
इन सब पर अंकुश रखने को,
हैं संविधान में प्रावधान।
पर न्यायपालिका का होता,
इन चारों में सर्वोच्च स्थान।
इस पर भी यदि अभियोग लगे,
तो समझो खतरे का निशान।।

पीएसएलवी-सी62 रॉकेट उड़ान पथ से भटका

उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने में विफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा/भाषा। एक विदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह समेत 16 उपग्रहों को लेकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने वाले इसरो के पीएसएलवी-सी62 रॉकेट को गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। इससे यह रॉकेट उड़ान पथ से भटक गया और उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को यह जानकारी दी।

इसरो के अध्यक्ष वी नारायणन ने बताया कि उड़ान के तीसरे चरण के दौरान जब

'स्ट्रैप-ऑन मोटर' पीएसएलवी-सी62 को निर्धारित ऊंचाई तक ले जाने के लिए 'थ्रस्ट' प्रदान कर रहे थे, तब रॉकेट में गड़बड़ी आ गई और बाद में वह उड़ान पथ से विचलित हो गया। उन्होंने कहा कि रॉकेट में गड़बड़ी आने और उसके उड़ान पथ से भटकने के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत विश्लेषण शुरू कर दिया गया है।

इसरो के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने का मिशन पूरा नहीं हो सका और सभी 16 उपग्रह अंतरिक्ष में खो गए। उन्होंने कहा कि यह लगातार दूसरी बार है, जब पीएसएलवी मिशन तीसरे चरण के दौरान आई गड़बड़ी के कारण विफल हो गया।

मई 2025 में की गई इसी तरह की पिछली कोशिश (पीएसएलवी-सी61/ईओएस-09 मिशन) भी नाकाम हो गई थी, क्योंकि मोटर के चैंबर दबाव में अचानक आई गिरावट के कारण रॉकेट को सही गति और दिशा नहीं मिल पाई थी।

लोहड़ी

लोहड़ी पर्व की पूर्व संध्या पर सोमवार को देहरादून में आयोजित नगर कीर्तन जुलूस के दौरान सिख समुदाय के लोगों ने पारंपरिक गटका का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही और पूरे इलाके में उत्सव व उत्साह का माहौल देखने को मिला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश विदेश के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा

देश का 'जेन जी' सृजनशीलता से भरा, सरकार को उसके सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत का 'जेन जी' सृजनात्मकता और ऊर्जा से भरा हुआ है और उसे जोखिम लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए, क्योंकि सरकार को उसके सामर्थ्य पर पूरा भरोसा है

'विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद' के समापन समारोह में देश विदेश से आये युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '' बहुत कम समय में यह संवाद इतना बड़ा मंच बन गया है, जहां देश के विकास की दिशा तय करने में युवाओं की सीधी भागीदारी होती है ।'' उन्होंने कहा ,'' दुनिया के अनेक देशों में थिंकटैंक शब्द प्रचलित है । इसकी चर्चा होती है और इसका प्रभाव भी बहुत होता है । मैंने आज जो प्रेजेंटेशन देखे और जिस तरह से कड़ी प्रतिस्पर्धाओं के बाद आप यहां तक आये हैं, इसने

■ स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिए प्रेरणा हैं । हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है, कैसे हम राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ अपना जीवन जियें ।

दुनिया में अनोखी थिंकटैंक के रूप में जगह बनाई है ।''

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ,'' जिन विषयों पर आपने चर्चा की है, खासकर महिला नीति विकास और लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी जैसे गंभीर विचारों पर प्रस्तुति प्रशंसनीय है। यह दिखाता है कि भारत में जेन जी का मिजाज क्या है। भारत का जेन जी कितनी सृजनात्मकता से भरा हुआ है ।'' उन्होंने कहा, ''कोई भी क्षेत्र हो, आपके लिए अनंत संभावनाओं के द्वार खुल रहे हैं । आप अपने सुझावों के साथ आगे बढिये, जोखिम लेने से पीछे मत हटिये । सरकार कंधे से कंधा मिलाकर आपके साथ चल रही है। पिछले एक दशक में जो रिफॉर्म की शुरुआत हमने की है, वह रिफॉर्म एक्सप्रेस बन गई है और उसके केंद्र में युवाशक्ति है।'' उन्होंने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाई जाती है और 'राष्ट्र सर्वप्रथम' की भावना के साथ जीने के लिए उनका जीवन प्रेरणास्पद है । उन्होंने कहा ,'' स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी हर युवा के लिए प्रेरणा हैं । हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है, कैसे हम राष्ट्र सर्वप्रथम की भावना के साथ अपना जीवन जियें । इस दिशा में स्वामी विवकानंद का जीवन हमारे लिए प्रेरक है। उनका स्मरण करते हुए हम हर साल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हैं और इस दिन को भी विकसित भारत युवा संवाद के लिए चुना गया है।'' उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में उनकी सरकार ने 'स्टार्टअप' और 'डिजिटल क्रांति' के जरिये युवाओं के लिए असीम अवसर पैदा किए और इस दिशा में लगातार काम कर रही है ।

कर्नाटक सरकार को 30 जून तक बेंगलूरु नगर निकाय चुनाव कराने के निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कर्नाटक सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को बेंगलूरु स्थानीय निकाय चुनावों को 30 जून तक कराने का निर्देश दिया। बृहत् बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के इससे पहले निर्वाचित निकाय का कार्यकाल 10 सितंबर 2020 को समाप्त हो गया था और तब से सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रशासक पर इसकी देखरेख का जिम्मा है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा वार्ड-वार आरक्षण की अंतिम सूची 20 फरवरी तक प्रकाशित की जाएगी और यह स्पष्ट कर दिया कि आगे कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा। पीठ ने चुनाव प्रक्रिया का कार्यक्रम तय किया है। यह आदेश कर्नाटक सरकार की याचिका पर दिया गया है। उच्च न्यायालय ने दिसंबर 2020 में राज्य निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के बाद बीबीएमपी चुनाव शीघ्र कराने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद राज्य सरकार ने उस आदेश को चुनौती दी थी।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए

भारत और जर्मनी ने रणनीतिक संबंधों के विस्तार का निर्णय लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/नई दिल्ली/भाषा। भारत और जर्मनी ने सोमवार को रक्षा, व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के उपायों की घोषणा की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों से संयुक्त रूप से निपटने के लिए समग्र द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया।

मोदी और मर्ज के बीच हुई बातचीत के बाद, दोनों पक्षों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप और उच्च शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक रोडमैप सहित 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दूरसंचार क्षेत्र में सहयोग को लेकर एक अलग समझौता भी किया गया। दोनों नेताओं ने समग्र व्यापार विस्तार के लिए भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र अंतिम रूप देने की वकालत

■ दोनों पक्षों ने रक्षा औद्योगिक सहयोग के लिए एक रोडमैप और उच्च शिक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक रोडमैप सहित 19 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

की। इसके साथ ही, भारत और जर्मनी के लोगों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पासपोर्ट धारकों के वास्ते जर्मनी से गुजरने के लिए वीजा-मुक्त पारगमन की घोषणा की गई।

जर्मन नेता अपने साथ एक बड़े व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल को लेकर सोमवार सुबह अहमदाबाद पहुंचे। वह दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। जर्मन चांसलर के रूप में एशिया की यह उनकी पहली यात्रा है।

मोदी ने मीडिया के लिए अपने बयान में कहा, ''रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी विश्वास और साझा दृष्टिकोण का प्रतीक है। रक्षा व्यापार से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मैं चांसलर मर्ज के प्रति हार्दिक आभार जताता हूं।''

भारत की आपत्ति के बाद चीन ने शक्सगाम घाटी पर अपना दावा दोहराया

बीजिंग/भाषा। चीन ने भारत की आपत्तियों के बीच सोमवार को शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावों को दोहराया और कहा कि इस इलाके में उसकी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बिल्कुल उचित हैं। भारत ने पिछले शुक्रवार को शक्सगाम घाटी में चीन की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आलोचना करते हुए कहा था कि यह भारतीय क्षेत्र है और उसके पास अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है। पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र में से शक्सगाम घाटी के 5,180 वर्ग किलोमीटर हिस्से को चीन को सौंप दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है। हमने 1963 में किए गए तथाकथित चीन-पाकिस्तान 'सीमा समझौते' को कभी मान्यता नहीं दी है। हम लगातार कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है।

विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं हो सकता : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि ढांचागत विकास प्रदेश की अनिवार्य आवश्यकता है लेकिन यह पर्यावरण की कीमत पर नहीं हो सकता।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि इस वर्ष प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और सरकार की नीति है कि किसी भी परियोजना में अपरिहार्य

स्थिति में ही वृक्षों को काटा जाए और जितने वृक्ष कटें, उससे अधिक संख्या में पौधारोपण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए ताकि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहे।

मुख्यमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की प्रदेश में संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न सड़क परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से जिलावार समीक्षा करते हुए एनएचएआई के स्थानीय अधिकारियों एवं जिला प्रशासन के बीच बेहतर, सतत और प्रभावी समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए।

मैंने आठ युद्ध ख़त्म कराए

भारत और पाकिस्तान भी युद्ध की ओर बढ़ रहे थे : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष सुलझाने का दावा एक बार फिर दोहराते हुए कहा कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त कराए लेकिन फिर भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला।

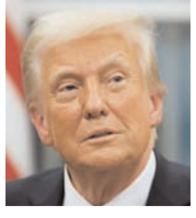

ट्रंप ने पिछले सप्ताह 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''मैंने आठ युद्ध खत्म किए। अगर आप उन युद्धों को देखें, तो ये भी बेहद कठिन युद्ध थे जिन्हें समाप्त करना आसान नहीं था। और मैं आपको बताता हूं कि भारत और पाकिस्तान आपस में लड़ रहे थे। जैसा कि आप जानते हैं कि वे आमने-सामने थे लेकिन यह उन आठ युद्धों में से एक था। हमने आठ बड़े युद्ध समाप्त किए। कुछ तो 30 साल से भी अधिक समय से चल रहे थे।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके अलावा किसी और ने आठ युद्ध समाप्त नहीं किए । उन्होंने 2009 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने की फिर आलोचना की।

ट्रंप ने कहा, ''याद रखिए, मैंने आठ युद्ध समाप्त किए हैं। ऐसा किसी और ने कभी नहीं किया। मैंने आठ युद्ध खत्म किए और मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। यह वाकई हैरान करने वाला है। ओबामा को मिल गया। वह कुछ ही हफ्तों के लिए वहां थे और उन्हें पुरस्कार मिल गया। उन्हें खुद भी नहीं पता था कि उन्हें यह क्यों मिला। उनसे पूछा गया कि उन्हें यह क्यों दिया गया, तो वह जवाब नहीं दे सके।''

ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने का दावा अब तक लगभग 80 बार कर चुके हैं। उन्होंने पिछले साल 10 मई को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में ''देर रात तक'' हुई बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान ''पूर्ण और तत्काल'' संघर्षविराम पर सहमत हुए।

भारत ने लगातार किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है।

अमेरिका के लिए भारत बहुत महत्वूपर्ण : सर्जियो गोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तनाव को दूर कर द्विपक्षीय संबंधों को दोबारा मजबूत करने का संकेत देते हुए दिल्ली में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने सोमवार को कहा कि वाशिंगटन के लिए भारत जितना आवश्यक कोई अन्य देश नहीं है और दोनों पक्ष व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। अपने आगमन संबोधन में उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर अमेरिका के नेतृत्व वाले रणनीतिक गठबंधन 'पैक्स सिलिका' में भारत के शामिल होने के लिए निमंत्रण की भी घोषणा की।

गोर ने कहा कि व्यापार समझौते पर अगली बातचीत मंगलवार को होने वाली है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका और भारत केवल साझा हितों से ही

नहीं जुड़े हैं बल्कि यह रिश्ता सर्वोच्च स्तरों पर आधारित है। '' उन्होंने उम्मीद जतायी कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल या उसके अगले साल भारत की यात्रा करेंगे।

पदभार संभालने के कुछ ही घंटों बाद गोर द्वारा दिए गए इन बयानों को ट्रंप प्रशासन की ओर से ऐसे समय में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जब उसने हाल के महीनों में शुल्क (टैरिफ) और एच-1बी वीजा को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा दिया है।

अमेरिकी दूतावास के कर्मचारियों और कुछ पत्रकारों को संबोधित करते हुए गोर ने कहा, ''आपके और मेरे सामने कूटनीति को फिर से परिभाषित करने का जीवन में एक बार मिलने वाला अविश्वसनीय अवसर है। इससे जो हासिल किया जा सकता है, वह इस सदी की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक साझेदारी साबित हो सकती है।'' उन्होंने कहा, ''भारत से अधिक आवश्यक कोई साझेदार नहीं है। आने वाले महीनों और वर्षों में राजदूत के रूप में मेरा लक्ष्य एक अत्यंत महत्वाकांक्षी एजेंडे को आगे बढ़ाना है।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

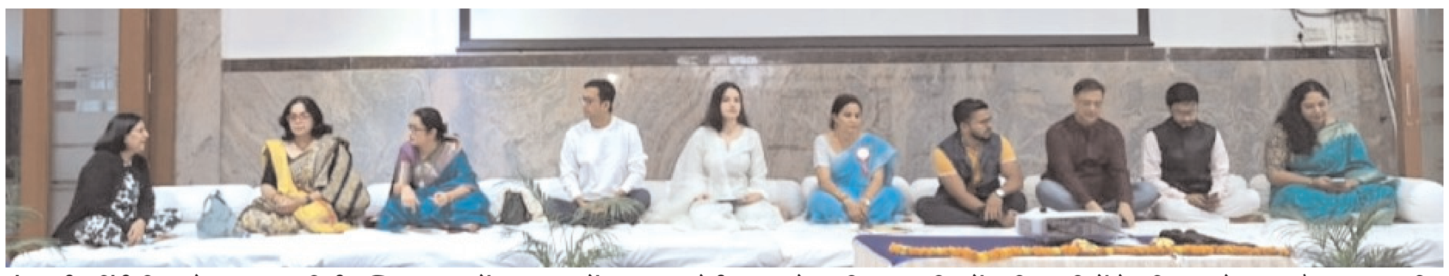

अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस के अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, बेंगलूरु उत्तर में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें शामिल कवियों ने भक्ति रस, प्रेम रस और हास्य रस की कविताओं की प्रस्तुति से सबको भावविभोर कर दिया। विद्यालय की प्राचार्या मंजू बालसुब्रमण्यम, उपप्राचार्य गीता कंदराजी और हिंदी विभागाध्यक्षा निर्मल द्विवेदी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित हुआ।

अरसीकेरे में विराजित होने वाली अष्टमहालक्ष्मी प्रतिमा के चढावे संपन्न

आचार्य देवेन्द्रसागरसूरी की निश्रा में श्रद्धालुओं ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के सहयोग से निर्माणाधीन दक्षिण शांतिसूरीधाम तीर्थ अरसीकेरे में नवनिर्मित योगीराज विजयशांतिसूरि गुरु मंदिर एवं दक्षिण भारत में सर्वप्रथम विराजमान होने वाली अष्ट महालक्ष्मी देवी प्रतिमा भराने संबंधी चढ़ावों का आयोजन कुमारापार्क स्थित सुराणा साधना संकुल में आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में सम्पन्न हुए। जाजम लाभार्थी ताराचंद दर्शनकुमार राठौड़ परिवार ने शोभायात्रा के साथ सभागार में प्रवेश कर विधिपूर्वक जाजम बिछाई। आचार्य देवेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने मंगलपाठ सुनाकर विधि प्रारंभ की। आचार्यश्री ने शांतिगुरु के महान साधनामय जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सब बड़े भाग्यशाली हैं जो हमें गुरु मंदिर के निर्माण एवं प्रतिष्ठा में सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। तीर्थ प्रेरक मनोजकुमार बाबूमल हरण ने कहा कि अष्ट महालक्ष्मी की पूजा, अर्चना एवं भक्ति करने से व्यक्ति के जीवन में सुख, समृद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने अष्ट लक्ष्मी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चढ़ावों की बोलियां लगाई जिनमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर लाभ लिया। कार्यक्रम में साध्वीवृंद की भी मंगल उपस्थिति रही। विधिकारक जिग्नेश ने विधि विधान कराया। दिलखुश बाफना ने भक्तिगीतों से सभी को भावविभोर किया। चढ़ावा कार्यक्रम के मुनीम बनने के लाभार्थी संघवी सोहनलाल सुरेशकुमार वेद मेहता ने विभिन्न चढ़ावों के लाभार्थियों के नाम मंगल पुस्तिका में अंकित किए। धाम के ट्रस्टीगण द्वारा लाभार्थी परिवारों का सम्मान किया गया।ङ्गअध्यक्ष सुरेशकुमार वेदमुथा ने सभी का स्वागत किया। चेयरमैन ताराचंद राठोड़ ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव 19 से 23 फरवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। महासचिव विजयकुमार सुराणा ने प्रतिष्ठा संबंधी विभिन्न चढ़ावों की जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रतिष्ठा महोत्सव के चेयरमैन धीरजकुमार बच्छावत दुबई, प्रधान संयोजक गोतमचंद गुगलिया हैदराबाद, दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ के संस्थापक अध्यक्ष अशोककुमार सुराणा, मुनिसुव्रतस्वामी जैन संघ कुमारापार्क के अध्यक्ष प्रकाशचंद राठोड़,वासुपूज्यस्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अरसीकेरे के अध्यक्ष पारसमल वेदमुथा, दक्षिण शांतिसूरी धाम तीर्थ के दोनों उपाध्यक्ष विनोद मुणोत एवं ललित चोरड़िया, कोषाध्यक्ष चेतन झारमुथा, ट्रस्टीगण तथा अनेक संघों के गणमान्यजनों की उपस्थिति थी।

डाकलिया बने ब्यावर संघ के नए अध्यक्ष, भंसाली बने चेयरमैन

ब्यावर संघ का नववर्ष स्नेह मिलन व साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ के नववर्ष स्नेहमिलन व साधारण सभा का आयोजन एक रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ। साधारण सभा में ललित डाकलिया को अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से चयनीत किया गया। महेन्द्र भंसाली को चेयरमैन पद पर नियुक्त किया गया। निर्वाचन अधिकारी पन्नालाल कोठारी द्वारा नए पदाधिकारियों की घोषणा होते ही हर्ष की लहर दौड़ गई और सभी ने नए पदाधिकारियों को बधाइयां दी। साधारण सभा के प्रारम्भ में चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा और अध्यक्ष पदमचंद बोहरा ने सभी सदस्य परिवारों का स्वागत किया। महामंत्री अरविन्द कोठारी ने पिछले कार्यकाल में हुए कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उपस्थित जनों को ब्यावर शहर के प्रामाणिक इतिहास से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने कार्यकाल के दौरान हुए आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

ललित डाकलिया

आयोजन के मुख्य प्रायोजक आनन्दराज अशोक कुमार खिंवसरा परिवार, सह प्रायोजक सज्जनराज अमित कुमार कोठारी, सहयोगी नीलम प्रकाश पारख, अमरचंद महावीरचंद तातेड़, तेजराज दिलीप कुमार खिंवसरा, ललित कुमार ज्ञानेश कुमार मेहता, गौतमचंद तरुण कुमार बोथरा, निर्मला देवी हीरालाल कांटेड़, महावीर चंद गौतम चंद वेदमुथा, हीरालाल दीपक कुमार बोहरा, पवन कुमार दक्ष कुमार खारीवाल परिवार का सम्मान कर उनको धन्यवाद दिया गया। ज्ञातव्य है कि बेंगलूरु शहर में ब्यावर के करीब साढ़े पांच सौ परिवार रहते हैं। ङ्गङ्गकार्यक्रम की व्यवस्थाओं में संघ के कार्यकारिणी सदस्यों के साथ युवा शाखा और लेडीज विंग का सक्रिय सहयोग मिला। युवा शाखा के महामंत्री कुलदीप छाजेड़ ने युवा शाखा को संघ द्वारा मिल रहे सहयोग के लिए आभार जताया। युवा शाखा और लेडीज विंग द्वारा संचालित ज्ञान वाटिका की समस्त शिक्षिकाओं का सम्मान किया गया तथा उनकी सेवाओं की सराहना की। जैन डाइरेक्टरी के राजेन्द्र जैन ने संघ के सदस्यों को संघ की वेबसाइट और एप्प के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सोनम कवाड़ ने किया।

कार्यक्रम में समस्त परिवारों के सदस्यों ने उपस्थित रहकर परस्पर मिलन के साथ आपस में मेलजोल बढाया। बच्चों ने अनेक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अनेक पुरस्कार जीते। नए अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी जनों को सेवा का मौका देने के लिए धन्यवाद दिया।

'जीतो' नार्थ लेडीज विंग की दो दिवसीय 'उड़ान' प्रदर्शनी 15 से

बेंगलुरु/दक्षिण भारत। जीतो नॉर्थ के तत्वावधान में जीतो लेडीज़ विंग द्वारा 15 व 16 जनवरी को गणेश बाग में लाइफस्टाइल प्रदर्शनी 'उड़ान 2026' का आयोजन किया जा रहा है । इस प्रदर्शनी में महिलाओं के सशक्तिकरण, उद्यमिता, लाइफस्टाइल, वेलनेस एवं सामाजिक जागरूकता को समर्पित अनेक स्टॉल होंगे। प्रदर्शनी में फैशन, होम डेकोर, हैंडीक्राफ्ट, फूड, हेल्थ एवं वेलनेस से जुड़े विविध स्टॉल्स आकर्षण का केंद्र रहेंगे। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया ने कहा कि उड़ान 2026 केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का सशक्त मंच है। लेडीज़ विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने कहा कि उड़ान-2026 महिलाओं के सपनों को पंख देने का एक सशक्त प्रयास है। यह मंच महिला उद्यमियों को अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का अवसर देगा। पदाधिकारियों ने जानकारी दी कि प्रदर्शनी के दौरान पेन रिलीफ अल्टरनेटिव थैरेपी कैंप, साइबर पीस मार्च, रचनात्मक गतिविधियाँ एवं पारिवारिक सहभागिता को बढ़ावा देने वाले विशेष आयोजन भी किए जाएंगे।

इस पत्रकार वार्ता में लेडीज विंग की अनेक सदस्यायों ने अनेक प्रकार की जानकारी साझा की। संयोजिका बिंदु नाहर एवं सहसंयोजिका सारिका जैन ने प्रदर्शनी की रूप रेखा बताई। महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

किसान हमारे देश का स्वाभिमान है : महेन्द्र मुणोत

बेंगलूरु/लांबिया/दक्षिण भारत। राजस्थान के लांबिया स्थित विमलाबाई मोतीलाल मुणोत राजकीय पशु चिकित्सा केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में मुणोत परिवार के महेन्द्र मुणोत ने पशु पालक, किसान, चिकित्सकों की सेवा की सराहना करते हुए कहा कि किसान प्रकृति के सबसे करीब होता है। जो प्रकृति के करीब होता है, वह ईश्वर के करीब होता है। मेरे देश का किसान लाचार या मजबूर नहीं, इस देश का स्वाभिमान है। किसान अपने हाथ में हल को पड़कर अपने हथेली की रेखाओं को अवश्य खो देता है परन्तु उसने देश के भाग्य की रेखाओं को कभी मिटने नहीं दिया, यही वह जज्बा है जिसके आगे पूरा देश नतमस्तक है। वर्तमान में किसानों के बच्चे पढ़ाई करके गांवों व खेत को छोड़कर शहरों में जा रहे हैं यह चिंता का विषय है, क्योंकि कृषि एवं पशुपालन से जुड़े रहकर हम देश को समृद्ध बना सकते हैं। मुणोत ने कहा कि हमें अपनी कर्म भूमि के साथ साथ अपने जन्मभूमि के विकास के लिए भी कार्य करना चाहिए। किसानों व पशुपालकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करवाकर गांवों में ही उन्नत कृषि व पशु अनुसंधान कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस अवसर पर महेन्द्र मुणोत के साथ सुरक्षा मुणोत, हंसराज मुणोत, भाग्यवंती मुणोत, पूर्व सरपंच मदनलाल, पशु चिकित्सक अक्षय शर्मा, पशु चिकित्साकर्मी चेनाराम, मनोहर चौधरी, मोहनलाल प्रजापत एवं बड़ी संख्या में गांव के किसान उपस्थित थे। मुणोत ने सभी किसानों के प्रयासों को सराहा व हर संभव सहयोग देने की भावना व्यक्त की।

चूरू, चाड़वास, सरदारशहर और राजलदेसर की टीमें पहुंचीं आरपीसीएल सेमीफाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राजस्थान परिषद् द्वारा आयोजित ग्रैंड आरपीसीएल 6 के अंतर्गत खेले गए लीग मुकाबले में चार टॉप टीमें सेमीफाइनल में पहुंचीं। उपाध्यक्ष आलोक सेठिया ने सभी का स्वागत किया और चेयरमैन सूरज चिंडालिया ने सभी को प्रतियोगिता की जानकारी दी। चेयरमैन सुनील सुराणा ने खेल नियमों के बारे में बताया। मीडिया प्रभारी दिनेश मरोठी ने बताया कि प्रथम मुकाबले में माइटी सुजानगढ़ ने बीदासर रजवाड़ा वॉरियर्स को 3 रनों से पराजित कर जीत दर्ज कराई। इस मुकाबले में मनीष बैद को मैन ऑफ दि मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में चूरू सुपर किंग्स ने राजलदेसर अडोर किंग्स को 6 रनों से हरा कर मुकाबला अपने नाम किया। प्रदीप कोठारी को मैन ऑफ दि मैच घोषित किया गया। तीसरे मुकाबले में लाडनूं वॉरियर्स ने गंगाशहर टाइटन्स टीम को 29 रनों से पराजित किया। उत्कृष्ट ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए सिद्धार्थ डोसी को मैन ऑफ दि मैच का सम्मान मिला। आखिरी मुकाबले में सरदारशहर कुबेर ने कर्मा वॉरियर्स चारवास टीम को 22 रनों से हराकर शानदार जीत दर्ज की। सौरभ नाहटा को मैन ऑफ दि मैच चुना गया।ङ्गआगामी रविवार को प्रतियोगिता के सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। प्रथम सेमीफाइनल चूरू सुपर किंग्स बनाम कर्मा वॉरियर्स चाड़वास के मध्य और द्वितीय सेमीफाइनल सरदारशहर कुबेर बनाम राजलदेसर एडोर किंग्स टीम के बीच खेला जाएगा। संस्था के पूर्व अध्यक्ष बालचंद चिंडालिया, पन्नालाल लूणिया, तरुण पटावरी, पंकज बैद, राजेश छाजेड़, आदि ने व्यवस्था संभाली। परिषद् के सचिव रजत बैद ने सभी को धन्यवाद दिया।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 600 लोगों ने कराई नेत्र जांच

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय विल्सन गार्डन प्रेरणा बहु मण्डल के तत्वावधान में नि:शुल्क मेगा नेत्र जांच एवं शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन सुभाषचंद्र बोस स्कूल में प्रोजेक्ट दृष्टि टीम, ब्लाइंडनेस कंट्रोल सोसायटी, बेंगलूरु अर्बन के सहयोग से आयोजित हुआ। इस शिविर में डॉ. नरपत सोलंकी व उनकी टीम ने 600 लोगों की आंखों की जांच की जिनमें से 250 से अधिक व्यक्तियों को नि:शुल्क चश्मे वितरित किए गए। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार ऑपरेशन हेतु मरीजों का चयन भी किया गया। शिविर में नि:शुल्क दवाइयाँ एवं भोजन की भी व्यवस्था की गई। शिविर के मुख्य प्रायोजक मीठालाल उगमादेवी मकाणा परिवार का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में प्रशासनिक अधिकारी मनोज जैन, विल्सनगार्डन सर्कल पुलिस निरीक्षक कैथी अल्वा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। मण्डल की अध्यक्ष ललिता जैन की टीम ने व्यवस्था सँभाली ।

संक्रांति रंगोली प्रतियोगिता की विजेताओं को दिया पुरस्कार

बेगलूरु/दक्षिण भारत । बेंगलूरु ट्रेडर्स एसोसिएशन(बीटीए) ने अपनी 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में संक्रांति के अवसर पर एमजी रोड स्थित बीएमआरसीएल रंगोली आर्ट सेंटर में महिलाओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया। अध्यक्ष श्रीश बाबू ने स्वागत किया। महासचिव राजेश बांठिया ने कहा कि रंगोली भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रतिष्ठानों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों की कलात्मक रचनाओं का मूल्यांकन बीएमआरसीएल की अर्चना भट्ट, मधुश्री तथा दीनदयाल अंत्योदय योजना की राघवी नायक ने किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार नवरत्न ज्वेलर्स की सुमित्रा एवं स्फूर्ति, जबकि द्वितीय और तृतीय पुरस्कार लायंस क्लब की क्रमश: धनलक्ष्मी एवं सुंदरी को प्रदान किया गया। अध्यक्ष श्रीश बाबू एवं उपाध्यक्ष विजयशेखर रवि ने पुरस्कार प्रदान किए। कोषाध्यक्ष वेंकटेश्वर ने धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री मोदी का मुफ्त रेवड़ियां बांटने में नहीं, लोगों को सशक्त बनाने में विश्वास: गोयल

राजकोट/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुफ्त रेवड़ियां बांटने के बजाय योजनाओं के जरिये लोगों को सशक्त बनाने में विश्वास रखते हैं।

गोयल ने यहां 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' (वीजीआरसी) के दौरान 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' और 'पीएम कुसुम योजना' पर आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि इन दोनों योजनाओं की परिकल्पना प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्तिगत रूप से की है और ये उनकी सोच को दर्शाती हैं।

गोयल ने कहा, यह इस बात का उदाहरण है कि किस तरह व्यक्तियों को सशक्त किया जा सकता है।

लोगों को सरकार पर निर्भर नहीं होना चाहिए। प्रधानमंत्री ऐसी योजनाओं में विश्वास नहीं रखते, जिनमें लोगों की भागीदारी के बिना आजीवन मुफ्त बिजली जैसी सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने नागरिकों की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी योजना की सफलता के लिए लोगों की व्यक्तिगत हिस्सेदारी और प्रतिबद्धता जरूरी है।

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सूर्य घर योजना के माध्यम से नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाया है। उन्होंने कहा, सरकार घर पर बिजली उत्पादन के साधन मुहैया कराती है, जबकि लागत का एक हिस्सा व्यक्ति स्वयं वहन करता है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए, जहां लोग केवल यह अपेक्षा करें कि सरकार उनसे बिजली खरीदे और उन्हें मुफ्त में उपलब्ध कराए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जब बिजली मुफ्त दी जाती है, तो धीरे-धीरे बिजली कटौती शुरू हो जाती है और आपूर्ति 24 घंटे से घटकर 20, फिर 16 और 12 घंटे तक सीमित रह जाती है।

संत पंकजमुनि व वरुणमुनि का मकर संक्रांति का मंगलपाठ गोवा में होगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती संघ से चातुर्मास सम्पन्न कर राष्ट्रसंत उपप्रवर्तक पंकज मुनिजी, डॉ. वरुण मुनिजी, रूपेशमुनिजी विहार कर हुमचा पद्मावती, सोंधा मठ, हम्पी, बदामी आदि तीर्थ स्थलों की धर्मयात्रा पूर्ण कर गोवा के बेटने विलेज पहुंचे। जहां श्रद्धाभाव से डॉ. नीओमी व गोकुल धाम इस्कॉन समिति ने संतों का स्वागत किया। संघ के महामंत्री अनिल जैन ने बताया कि संतों का गोवा में प्रथम पदार्पण है। इस अवसर पर प्रसिद्ध संत भाऊ जी महाराज के साथ संतों की आध्यात्मिक भेंट हुई।

वरुणमुनिजी ने बताया कि श्रुताचार्यश्री अमर गुरुदेव के मार्गदर्शन में उत्तर भारत के अनेक प्रांतों में सैकड़ों जनकल्याणकारी संस्थाएँ जिसमें स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, धर्मस्थान, पुस्तकालय आदि संस्थाएं स्थापित की गईं, जो आज भी समाजसेवा के लिए सतत सक्रिय हैं। संतगण विहार करते हुए गुरु दत्त पद्मनाभ पीठाधीश्वर पद्मश्री महामंडलेश्वर स्वामी ब्रह्मेषानंद जी महाराज के आश्रम पहुँचे, जहाँ विशेष सम्मान एवं आदर की चादर भेंट की गई। रूपेश मुनि जी ने बताया कि गुरुओं ने वर्ष 2015 से अब तक लगभग 10 हजार किलोमीटर पदयात्रा के माध्यम से दक्षिण भारत के अनेक क्षेत्रों में धर्म प्रभावना की है और अब उत्तर भारत की दिशा में प्रस्थान कर रहे हैं। प्रकाश सिंह ने बताया कि आगामी मकर संक्रांति का महा मंगलपाठ सतों की उपस्थिति में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ, गोवा के तत्वावधान में संपन्न होगा।

करूर भगदड़ :

टीवीके प्रमुख विजय से सीबीआई ने छह घंटे तक पूछताछ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख एवं अभिनेता विजय से करूर भगदड़ मामले के संबंध में सोमवार को लगभग छह घंटे तक पूछताछ की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि विजय को पूछताछ के लिए दोबारा बुलाया जाएगा क्योंकि कुछ सवालों के जवाब में अभी और स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। सीबीआई चाहती थी कि अभिनेता पूछताछ के लिए मंगलवार को उपस्थित हों लेकिन उन्होंने पोंगल का हवाला देते हुए किसी अन्य तारीख पर उपस्थित होने का अनुरोध किया। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया है और उन्हें नयी तारीख दी जाएगी। विजय सुबह 11:29 बजे काली 'रेंज रोवर' गाड़ी में भारी सुरक्षा घेरे में सीबीआई मुख्यालय पहुंचे।

आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उन्हें एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई की टीम के पास ले जाया गया जो 27 सितंबर 2025 को तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ मामले की जांच कर रही है। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे। अधिकारियों ने बताया कि लगभग छह घंटे तक अधिकारियों की एक टीम द्वारा पूछताछ किए जाने के बाद वह शाम लगभग 6.15 बजे सीबीआई मुख्यालय से रवाना हुए। उनसे उस रैली से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे गए जिसमें यह दुखद घटना हुई थी। सीबीआई ने इस मामले में तमिलनाडु के पूर्व एडीजी (कानून और व्यवस्था) एस डेविडसन देवसिरवथम से भी पूछताछ की।

मुंबई के बारे में अन्नामलाई की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया : भाजपा विधायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/मुम्बई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक आर तमिल सेल्वन ने पार्टी नेता के. अन्नामलाई की मुंबई के बारे में की गई टिप्पणियों का सोमवार को बचाव किया और कहा कि शहर के वैश्विक महत्व को बताने के उद्देश्य से दिए गए उनके बयानों को राजनीतिक लाभ के लिए जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया था। पिछले हफ्ते शिवसेना (उबाठा) ने मांग की थी कि अन्नामलाई को उनके इस बयान के लिए गिरफ्तार किया जाए कि मुंबई महाराष्ट्र का शहर नहीं है। पंद्रह जनवरी को होने वाले महानगरपालिका चुनावों के लिए पिछले सप्ताह प्रचार करते हुए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी और तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने कहा, लोग 'ट्रिपल-इंजन'

सरकार चाहते हैं। यह देश का एकमात्र महानगर है जहां 'ट्रिपल-इंजन संभव है। मोदी दिल्ली में हैं, फडणवीस मुख्यमंत्री हैं और अब मुंबई में भाजपा के महापौर होंगे। मुंबई महाराष्ट्र का शहर नहीं बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय शहर है।

सायन कोलीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सेल्वन ने पत्रकारों से कहा, हमारे नेता अन्नामलाई ने मुंबई को विश्व स्तर का शहर बताया था। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आशीर्वाद से मुंबई विश्व का नंबर एक शहर बन रहा है। चाहे मेट्रो परियोजना हो, सड़क निर्माण हो या सेवाओं की उपलब्धता, मुंबई वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण शहर के रूप में उभरा है। अन्नामलाई इसी संदर्भ में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता के शब्दों को राजनीतिक लाभ के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, मुंबई को महाराष्ट्र से अलग कैसे किया जा सकता है? यहां तक कि कोई प्रधानमंत्री भी ऐसा नहीं कर पाएगा। अन्नामलाई ने ये शब्द अनादर के भाव से नहीं कहे थे। उनका मतलब सिर्फ इतना था कि मुंबई की एक वैश्विक पहचान है।

तमिलनाडु में आयोजित नेतृत्व कार्यक्रम में 80 से अधिक सिविल सेवा अधिकारियों ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु में कोयंबटूर के निकट स्थित ईशा योग केंद्र में आयोजित पांच दिवसीय नेतृत्व कार्यक्रम में 80 से अधिक वरिष्ठ सिविल सेवा अधिकारियों ने भाग लिया। सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। कार्यक्रम पांच से नौ जनवरी तक आयोजित किया गया। केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) द्वारा ईशा फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य तनावपूर्ण परिस्थितियों से निपटने की अधिकारियों की क्षमता बढ़ाना, सरकारी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए विभागों के बीच सहयोग में सुधार करना और आपसी संबंधों को मजबूत बनाना है। ईशा फाउंडेशन के बयान में कहा गया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय वन सेवा (आईएफएस) और केंद्रीय सेवाओं के ग्रुप-ए के कुल 88 अधिकारियों ने 'इनर इंजीनियरिंग एंड लीडरशिप प्रोग्राम' में भाग लिया। बयान के अनुसार, कार्यक्रम में व्यक्तिगत और पेशेवर स्पष्टता पर भी ध्यान दिया गया। इसके साथ ही गहरी आंतरिक शांति व संतोष की भावना विकसित करने पर जोर दिया गया। इसमें दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ के बारे में भी बताया गया, जिसमें पुरानी शारीरिक और मानसिक समस्याओं से निजात दिलाना शामिल है।

'जन नायकन' के निर्माता ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। अभिनेता विजय की तमिल फिल्म 'जन नायकन' के निर्माता ने फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) प्रमाणपत्र देने से संबंधित एकल न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगाने के मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। मद्रास उच्च न्यायालय ने नौ जनवरी को एकल न्यायाधीश के फैसले पर रोक लगा दी थी। इसके बाद राजनीतिक विवाद में फंसी इस फिल्म के भविष्य को लेकर संशय पैदा हो गया था।

केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने पिछले शुक्रवार को उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की। विजय ने हाल ही में अपनी राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की स्थापना की है। 'जन नायकन' को राजनीति में पूरी तरह उतरने से पहले विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है और यह नौ जनवरी को पोंगल पर रिलीज होनी थी।

हालांकि, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की ओर से समय पर प्रमाणन न मिलने के कारण फिल्म को आखिरी वक्त में अड़चन का सामना करना पड़ा। नौ जनवरी को न्यायाधीश पी.टी. आशा ने सीबीएफसी को जन नायकन' को मंजूरी देने का निर्देश दिया था और फिल्म बोर्ड के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसमें मामले को समीक्षा कमेटी को भेजा गया था। इसके बाद, मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की पीठ ने सीबीएफसी की अपील पर एकल न्यायाधीश के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी थी।

इससे पहले, केवीएन प्रोडक्शंस की याचिका स्वीकार करते हुए न्यायमूर्ति आशा ने कहा था कि जब बोर्ड ने एक बार प्रमाणपत्र देने का फैसला कर लिया है, तो बोर्ड के अध्यक्ष के पास मामला रिव्यू कमेटी को भेजने का अधिकार नहीं है। फिल्म बोर्ड ने तुरंत इस आदेश के खिलाफ अपील दायर कर दी। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए.आर.एल. सुंदरासन और वीडियो कांफ्रेंस के जरिये पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने खंडपीठ के सामने अपील के आधार रखे थे।

पलानीस्वामी ने माध्यमिक शिक्षक नेताओं की 'नजरबंदी' की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव के पलानीस्वामी ने सोमवार को 'सेकेंडरी ग्रेड सीनियॉरिटी टीचर्स एसोसिएशन' (एसएसटीए) के नेताओं की कथित नजरबंदी की निंदा की और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। प्रदर्शनकारी समान काम के लिए 'समान वेतन' की मांग कर रहे हैं। पलानीस्वामी ने एसएसटीए के विरोध प्रदर्शन से निपटने के तमिलनाडु सरकार के तरीके की कड़ी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जिन नेताओं को 'नजरबंद' किया गया, उन्हें

मोबाइल फोन भी इस्तेमाल नहीं करने दिया गया।

पलानीस्वामी ने दावा किया, ''माध्यमिक शिक्षक लगातार 17वें दिन द्रमुक के समान काम के लिए समान वेतन के चुनावी वादे को पूरा करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच स्टालिन सरकार ने कल सुबह आठ बजे से एसएसटीए के राज्य कार्यकारियों सहित आठ लोगों को नजरबंद कर दिया है।''

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनके मोबाइल फोन छीन लिए गए और बंद कर दिए गए। उन्होंने कहा, ''कठपुतली मुख्यमंत्री की सरकार को विरोध प्रदर्शन से ठीक तरह से निपटना नहीं आता। इस तरह के हथकंडे अपनाना और उन्हें अपने फोन इस्तेमाल करने के बुनियादी अधिकार से भी वंचित करना निंदनीय है।'' उन्होंने कहा, ''मैं द्रमुक सरकार से गिरफ्तार शिक्षकों को तुरंत रिहा करने का आग्रह करता हूं।''

इंडियन बैंक ने दो प्रतिष्ठित पुरस्कार जीते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक ने डिजिटल नवाचार, साइबर सुरक्षा और आईटी जोखिम प्रबंधन में अपनी उत्कृष्टता को मान्यता देते हुए कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त करके प्रौद्योगिकी-संचालित बैंकिंग में अपने नेतृत्व की एक बार फिर पुष्टि की। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा आयोजित 21वें वार्षिक बैंकिंग आईटी टेक्नोलॉजी सम्मेलन, एक्सपो और प्रशस्ति पत्र 2024-25 में, इंडियन बैंक को लार्ज बैंक श्रेणी के अंतर्गत दो शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया - सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी बैंक और सर्वश्रेष्ठ आईटी रिस्क मैनेजमेंट। ये पुरस्कार बैंक के सुदृढ़ आईटी गवर्नेंस ढांचे, मजबूत साइबर सुरक्षा व्यवस्था और परिचालन दक्षता एवं ग्राहक अनुभव को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग को मान्यता देते हैं। इंडियन बैंक की टीम की ओर से कार्यकारी निदेशक आशुतोष चौधरी और अन्य शीर्ष अधिकारियों ने दोनों पुरस्कार ग्रहण किए।

एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में, इंडियन बैंक को स्कोच पुरस्कारों में भी सम्मानित किया गया, जहां बैंक को आईबी साथी के लिए स्कोच गोल्डन अवार्ड से नवाजा गया।

आईबी साथी एक संपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) लाइफसाइकिल के सुचारू प्रबंधन, वित्तीय समावेशन और परिचालन पारदर्शिता को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने सुरक्षा संचालन को पुनर्परिभाषित करना के लिए स्कोच सिल्वर अवार्ड जीता, जो इसके सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) के रूपांतरण और साइबर प्रतिरोध को मजबूत करने को दर्शाता है। ये पुरस्कार बैंक के वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में कार्यकारी निदेशक मिनी टीएम ने ग्रहण किए।

बेंगलूरु-विजयवाड़ा गलियारे से जुड़े

चार गिनीज रिकॉर्ड के लिए गडकरी ने नायडू को धन्यवाद दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को राज्य में बेंगलूरु-कडपा-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे के निर्माण के दौरान चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के एक डिजिटल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि श्री सत्य साई जिले में निर्माण कार्यों के दौरान सत्य साई बाबा के आशीर्वाद से ये रिकॉर्ड हासिल किए गए। एक विज्ञप्ति के अनुसार सड़क परिवहन और

राजमार्ग मंत्री ने कहा, ''मैं सभी को, विशेष रूप से मुख्यमंत्री नायडू को बेंगलूरु-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारे के निर्माण में चार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करने पर बधाई देता हूं।''

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और कार्यान्वयन एजेंसियों को भी इन रिकॉर्ड को हासिल करने में उनकी भूमिका के लिए सराहा। पुट्टपर्थी के पास छह जनवरी को सबसे लंबे सड़क खंड (लगभग 29 किलोमीटर) पर 10,600 टन से अधिक बिटुमिनस कंक्रीट 24 घंटे के भीतर लगातार बिछाने के दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किए गए। इसके अतिरिक्त 11 जनवरी को यहां लगातार 57,500 टन बिटुमिनस कंक्रीट बिछाने और 156 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए गए, जो पिछले विश्व रिकॉर्ड 84.4 किलोमीटर से अधिक है। विज्ञप्ति के अनुसार, 343 किलोमीटर लंबा और छह-लेन वाला बेंगलूरु-कडपा-विजयवाड़ा आर्थिक गलियारा सुरक्षित, उच्च गति और मनोरम दृश्य से युक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

देश के संसाधनों को बड़ी कंपनियों के हाथों में सौंप रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : खरगे

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मनरेगा को निरस्त करने और उसके स्थान पर 'वीबी-जी राम जी' नामक एक नयी ग्रामीण रोजगार योजना लागू करने के लिए केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'जनविरोधी' करार देते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गरीबों की मदद करने के बजाय देश के संसाधनों को 'बड़ी कंपनियों को सौंप' रहे हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त करने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार के विरुद्ध अपना संघर्ष जारी रखेगी। खरगे ने 'विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन' (वीबी - जी राम जी) को रद्द करने और उसके स्थान पर मनरेगा को बहाल करने की मांग भी की।

कांग्रेस अध्यक्ष ने एक सवाल के जवाब में कहा,'' मैं किसी के भी बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देना चाहता। मनरेगा आम लोगों के लिए काम करने का अधिकार था। संविधान के निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 41 के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सोनिया गांधी के नेतृत्व में इसे कानून के रूप में अधिनियमित किया गया था। उन्होंने एक ऐसे अधिनियम को रद्द कर दिया है जिसका उद्देश्य गरीबों का पेट भरना और उनकी मदद करना था।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र के इस कदम से पंचायतों के कामकाज में भी 'बाधा' आएगी।

खरगे ने कहा, ''नए कानून के तहत 60:40 के लागत-साझाकरण अनुपात के साथ, राज्य सरकारों पर 30 प्रतिशत का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है, क्योंकि पहले केंद्र और राज्यों के बीच लागत-साझाकरण अनुपात 90:10 था।''

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार का इरादा मनरेगा योजना को पूरी तरह से बंद करना और लोगों तक इसके लाभ पहुंचने से रोकना था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा केंद्र सरकार संप्रग काल की कल्याणकारी योजनाओं जैसे शिक्षा का अधिकार, खाद्य सुरक्षा का अधिकार और मनरेगा के तहत काम करने के अधिकार को व्यवस्थित रूप से निशाना बना रही है।

मुख्यमंत्री विजयन के नेतृत्व में केंद्र के खिलाफ 'सत्याग्रह'

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर वित्तीय आवंटन को लेकर राज्य के साथ ''पक्षपात'' करने का आरोप लगाया। विजयन ने सोमवार को यहां केंद्र सरकार के खिलाफ 'सत्याग्रह' का नेतृत्व किया और कहा कि केरल के साथ ''राजनीतिक प्रतिशोध'' के चलते भेदभाव किया जा रहा है।

दिनभर चलने वाला यह विरोध प्रदर्शन, सुबह शहर के मध्य में पलायम स्थित शहीद स्मारक से शुरू हुआ, जिसमें केरल मंत्रिमंडल के मंत्रियों, सत्ताधारी विधायकों, वरिष्ठ नेताओं और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। विजयन ने आरोप लगाया कि केरल द्वारा बीते कुछ वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में हासिल की गई प्रगति को रोकने के लिए ''केंद्र जानबूझकर'' बाधाएं पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार केरल के संवैधानिक रूप से प्रदत्त अधिकारों को छीनने की कोशिश कर रही है, जो एक लोकतांत्रिक देश में नहीं होना चाहिए।'' विजयन ने कहा कि अभूतपूर्व परिस्थिति में अपने लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार को इस तरह का विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि सभी एकजुट होकर यह सुनिश्चित करें कि केरल को राजस्व में उसका उचित हिस्सा मिले।

सांसदों ने विरोध-प्रदर्शन में शामिल 12 लोको पायलट के तबादले वापस लिए जाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दक्षिणी रेलवे के पलक्कड़, सेलम और तिरुवनंतपुरम मंडल के कर्मचारियों ने काफी समय से लंबित अपनी मांगों के समर्थन में एक जून 2024 से 28 जून 2024 के बीच विरोध प्रदर्शन किया था और इस तरह से स्वयं साप्ताहिक अवकाश लिया था, जिससे ट्रेन परिचालन बाधित नहीं हुआ। इन मंडलों ने विरोध कर रहे कर्मचारियों को कथित तौर पर दंडात्मक कदम उठाते हुए दूरस्थ डिपो में स्थानांतरित कर दिया था।

चेन्नई/नई दिल्ली। कम से कम तीन सांसदों ने रेलवे प्रशासन से आग्रह किया है कि वह दक्षिण रेलवे जोन में उन 12 लोको पायलटों के कथित दंडात्मक तबादले वापस ले, जिन्हें जून 2024 में अपनी मांगों के समर्थन में उनकी यूनियन द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने के लिए स्थानांतरित किया गया है। दक्षिणी रेलवे के पलक्कड़, सेलम और तिरुवनंतपुरम मंडल के कर्मचारियों ने काफी समय से लंबित अपनी मांगों के समर्थन में एक जून 2024 से 28 जून 2024 के बीच विरोध प्रदर्शन किया था और इस तरह से स्वयं साप्ताहिक अवकाश लिया था, जिससे ट्रेन परिचालन बाधित नहीं हुआ। इन मंडलों ने विरोध कर रहे कर्मचारियों को कथित तौर पर दंडात्मक कदम उठाते हुए दूरस्थ डिपो में स्थानांतरित कर दिया था।

हालांकि, मध्यस्थता के बाद तिरुवनंतपुरम और सलेम मंडलों के सभी स्थानांतरित कर्मचारियों एवं पलक्कड मंडल के नौ कर्मचारियों का तबादला वापस ले लिया गया। वर्तमान में 12 लोको पायलट अब भी दूरस्थ डिपो में काम कर रहे हैं।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के सांसद जॉन ब्रिटास ने दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक को संबोधित आठ जनवरी के एक पत्र में कहा, ''मुझे पता चला है कि पलक्कड मंडल में वर्तमान में पर्याप्त रिक्तियां उपलब्ध हैं, जिससे उनकी वापसी समायोजित की जा सकती है।'' ब्रिटास ने कहा कि रिक्तियां उपलब्ध होने के बावजूद उनकी वापसी संबंधी अनुरोधों पर लगातार कार्रवाई नहीं होने से कर्मचारियों में यह धारणा बनी है कि यह देरी संभवत: प्रतिशोध लेने के लिए की जा रही है और इसका संबंध एआईएलआरएसए (ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन) आंदोलन में उनकी भागीदारी से जुड़ा हो सकता है।

उन्होंने महाप्रबंधक से आग्रह किया कि वह पलक्कड मंडल को निर्देश दें कि वह उक्त 12 कर्मचारियों के मामलों की समीक्षा करे और उन्हें यथाशीघ्र उनके पूर्व स्टेशनों पर वापस भेजे।

पलक्कड़ से लोकसभा सदस्य वी के श्रीकंदन ने 23 दिसंबर 2025 को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से लोको पायलट यूनियन की विभिन्न मांगों पर गौर करने का अनुरोध किया।

विकसित राजस्थान के लक्ष्य में युवाओं की भागीदारी अहम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारत एक युवा राष्ट्र है तथा हमारे युवा, देश और प्रदेश के कर्णधार हैं। युवाओं की ऊर्जा एवं शक्ति से ही विकसित भारत व विकसित राजस्थान के सपने को साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं के सपनों को साकार करने तथा उनके सशक्तीकरण के लिए संकल्पित है। हमारी प्राथमिकता है कि बजट युवा केन्द्रित बने, जिससे राज्य के विकास को गति मिले और मजबूत राजस्थान का निर्माण हो सके। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक क्षेत्र में रूचि रखने वाले छात्रों से बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने सभी युवाओं को राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द हम सभी के प्रेरणास्रोत हैं। विवेकानन्द जी ने युवाओं को अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अडिग रहकर काम करने का संदेश दिया।युवा तरुणाई आगे बढ़ेंगे तो देश-प्रदेश आगे बढ़ेगा।

शर्मा ने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदा गया था। लेकिन हमारी सरकार ने आते ही पेपरलीक के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई की। पिछले 2 सालों में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले दो वर्षों में 1 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। करीब डेढ लाख पदों पर चयन प्रक्रियाधीन है।उन्होंने कहा कि हमने 5 साल में सरकारी क्षेत्र में 4 लाख एवं निजी क्षेत्र में 6 लाख नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। निजी क्षेत्र में युवाओं को अब तक दो लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हमने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश में राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ के एमओयू में से 8 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। इसके लिए युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 3 लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। राज्य सरकार द्वारा करीब 2 लाख युवाओं को इंटर्नशिप, 65 आई स्टार्टअप लॉन्चपैड नेस्ट की स्थापनातथा 658 स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान की गई है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही राज्य के विकास का रोडमैप बनाते हुए पानी-बिजली की प्राथमिकता पर कार्य किया गया। पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना, शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, नर्मदा सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली के लिए भी हमने कई अहम निर्णय किए हैं। हमने किसानों से वादा किया था कि दिन में बिजली उपलब्ध कराएंगे। इसी दिशा में अब हम 22 जिलों में दिन में बिजली दे रहे हैं। जल्द ही प्रदेश बिजली में आत्मनिर्भर बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'विकास के साथ विरासत' की अवधारणा पर कार्य कर रही है। इसी क्रम में शेखावाटी की हवेलियों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है तथा 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में 82 प्रकार के खनिज संसाधन हैं तथा प्रदेश केपर्यटन स्थल की विश्व में अपनी पहचान है। यहां की झीलें, किले, हवेलियां, मरुस्थल तथा धार्मिक स्थल देश-विदेश के पर्यटकों के लिए प्रमुख केन्द्र हैं।

शर्मा ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को प्रशिक्षण सुविधायें उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत पर चरणबद्ध रूप से अटल ज्ञान केन्द्र की स्थापना की जा रही है। इस पहल का उद्देश्य है कि ग्राम पंचायत मुख्यालयों में प्रेरकों द्वारा युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिले। साथ ही, हमारी सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा पॉलिसी लेकर आई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानववाद की धारणा को अपनाते हुए कार्य कर रही है, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति तक सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने मुख्यमंत्री का गत 2 वर्षों में युवाओं के हित में किए गए अनेक निर्णयों के लिए आभार जताया। साथ ही, युवाओं ने शिक्षा उन्नयन, रोजगार, कौशल एवं उद्यमिता, स्टार्टअप सहित विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए। मुख्यमंत्री ने युवाओं द्वारा दिए गए सभी सुझावों को गंभीरता से सुना एवं कहा कि इन सुझावों को आगामी बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्प भी अर्पित किए।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल एवं उद्यमिता संदीप वर्मा, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में राजस्थान विश्वविद्यालय, विभिन्न राजकीय महाविद्यालय, राजकीय आई.टी.आई., राजकीय पोलिटेक्निक महाविद्यालय के छात्र मौजूद रहे।

गरीब के कल्याण के लिए कार्य करना ही ईश्वर की सच्ची सेवा : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को कहा कि सभी को स्वामी विवेकानन्द के संदेशों को जीवन में आत्मसात करना चाहिए और उनके उपदेश आज भी हमारे जीवन में काफी उपयोगी हैं। बागड़े ने स्वामी विवेकानन्द की जयंती के मौके पर कोटा में आयोजित सेवा संगम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने व्यक्ति को दृढ़ संकल्प कर निडरता से आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राज्यपाल ने कहा कि निडर होकर लक्ष्य के प्रति समर्पित भाव से आगे बढ़े तो जीवन में सफलता हासिल होती है। बागड़े ने कहा कि गरीब और कमजोर लोगों के कल्याण के लिए कार्य करना ही ईश्वर की सबसे अच्छी सेवा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य सिर्फ जानकारी प्राप्त करना नहीं बल्कि चरित्र निर्माण के साथ साहस, करुणा एवं एकाग्रता का भाव विकसित करना है। राज्यपाल ने कहा कि भारत देश यहां के लोगों की बौद्धिक एवं शारीरिक क्षमता के दम पर विश्व में नंबर एक बनेगा। बागड़े ने इस अवसर पर सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली कोटा की 31 संस्थाओं को सम्मानित किया।

बीकानेर में छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में एक छात्रा का कथित तौर पर अपहरण कर चलती कार में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों ने दर्ज मामले के आधार पर सोमवार को बताया कि 12वीं कक्षा की छात्रा के साथ यह घटना छह जनवरी को नापासर थाना इलाके में हुई लेकिन लड़की के परिवार की शिकायत के बाद 11 जनवरी को मामला दर्ज किया गया। शिकायत के अनुसार, लड़की छह जनवरी की सुबह स्कूल के लिए घर से निकली थी। दो युवकों ने उसे रोका और अपहरण कर कार में डाल लिया। आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया।पुलिस ने बताया कि एक गांव के लोगों ने शक होने पर कार रुकवाई, लेकिन आरोपी लड़की को कार से बाहर निकालकर मौके से फरार हो गए। इसने कहा कि इसके बाद गांववालों ने लड़की के परिवार को सूचित किया जो मौके पर पहुंचे और उसे घर ले गए। वृत्ताधिकारी (गंगाशहर) हिमांशु शर्मा ने कहा कि नापासर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि लड़की की उम्र 18 साल से ज़्यादा है, जबकि आरोपियों की उम्र के बारे में अभी पता नहीं है। उन्होंने कहा, अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है और जांच की जा रही है।

अलवर शहर में संदिग्ध वस्तु मिली, पुलिस ने नष्ट किया

जयपुर। अलवर शहर के एक रिहायशी इलाके में सोमवार को एक संदिग्ध वस्तु मिली जिसे पुलिस ने बाहरी इलाके में ले जाकर नष्ट किया। पुलिस ने बताया कि इस संदिग्ध वस्तु में 'टाइमर' जैसा कुछ लगा था, हालांकि जांच में विस्फोटक जैसा कुछ नहीं मिला और इसे नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि यह संदिग्ध वस्तु अरावली विहार पुलिस थना क्षेत्र के विवेकानंद नगर सेक्टर-4 में देखी गई। इससे स्थानीय लोगों में संदेह व भय फैला गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने इलाके को घेर लिया और एहतियात के तौर पर इस संदिग्ध वस्तु को शहर से करीब साढ़े छह किलोमीटर दूर जयसमंद बांध के पास सुनसान जगह पर ले गई। पुलिस ने बताया कि बांध के आसपास के इलाके को सील कर दिया गया और लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई। बाद में बम निरोधक दस्ते की टीम ने इसकी जांच की और इसे नष्ट किया। बम निरोधक दस्ते के एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध वस्तु में कुछ भी विस्फोटक जैसा नहीं था। उन्होंने कहा, ''विभिन्न जांच के बाद कुछ संदिग्ध नहीं मिला था। टीम ने इसे बेअसर कर दिया। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पंत कृषि भवन में आग लगी, बड़ा नुकसान नहीं

जयपुर। जयपुर स्थित पंत कृषि भवन की तीसरी मंजिल पर सोमवार सुबह आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन दस्ते ने आग पर काबू पा लिया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि आग भवन की तीसरी मंजिल पर एक बंद कमरे में लगी। यह आग हीटर में शॉर्ट सर्किट होने से लगी। उन्होंने बताया कि कमरे से आग की लपटें और घना धुआं निकलते देख, इमारत में मौजूद अधिकारी और कर्मचारी सावधानी के तौर पर बाहर निकल गए। दो अग्निशमन गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। इसके कर्मचारियों ने आग बुझाने के लिए तीसरी मंजिल की खिड़कियों के शीशे तोड़े। आग पर काबू पा लिया गया। आग में फर्नीचर और ऑफिस के दूसरे सामान समेत कई चीजें जल गईं।

सड़क-बिजली-पानी व्यवस्था सुढ़ करने को लेकर मंत्री दिलावर ने दियें आवश्यक दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री तथा जोधपुर जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में सोमवार को मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में ग्रामीण एवं शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में सड़क, बिजली एवं पेयजल से संबंधित समस्याओं का पर्यवेक्षण, समाधान एवं प्रभावी कार्ययोजना निर्माण रहा। बैठक में पूर्व बजट घोषणाओं के अंतर्गत भूमि आवंटन, डीएमएफटी, स्थानीय विकास योजनाओं एवं विभिन्न स्वीकृतियों के समयबद्ध क्रियान्वयन की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इसके साथ ही पंच गौरव तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत संचालित विकास कार्यों की प्रगति पर चर्चा हुई।

प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ विगत एक माह में जल आपूर्ति की स्थिति की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि शहर के सभी क्षेत्रों में नियमित एवं निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से कच्ची बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मंत्री दिलावर ने स्पष्ट कहा कि टेल एंड तक पेयजल पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इस दिशा में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने सभी स्वीकृत सड़क परियोजनाओं को तय समय-सीमा में पूर्ण करने तथा दूरस्थ ढाणियों तक सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी ग्रामीण क्षेत्रों एवं ढाणियों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के सभी विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में मांग के अनुरूप विद्युत सप्लाई उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में जोधपुर डीएमएफटी फंड से कराए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की गई। पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत पांच विभागों द्वारा संचालित कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत तैयार वार्षिक कार्ययोजना पर भी विचार-विमर्श किया गया।

प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि स्वीकृत योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्यों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस दौरान जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल, जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त उत्साह चौधरी, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा सहित वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राजस्थान में तापमान शून्य से नीचे गिरा, दिल्ली में शीत लहर का कहर

नयी दिल्ली/जयपुर। उत्तर भारत में जारी भीषण ठंड के बीच राजस्थान के कुछ हिस्सों में तापमान शून्य से नीचे चला गया और दिल्ली में न्यूनतम तापमान इस साल पहली बार 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक भीषण ठंड जारी रहने का अनुमान है और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भीषण शीत लहर की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर भी तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया और पंजाब एवं हरियाणा में तापमान जमाव बिंदु के आसपास बना रहा। स्थानीय मौसम कार्यालय ने बताया कि राजस्थान के कुछ हिस्सों में अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर से लेकर भीषण शीत लहर की स्थिति दर्ज की गई। प्रतापगढ़ में न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि बाड़मेर में न्यूनतम तापमान शून्य से एक डिग्री सेल्सियस नीचे रहा।

दिल्ली में इस मौसम की पहली शीत लहर दर्ज की गई और कुछ स्थानों पर तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। आयानगर शहर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पालम स्टेशन पर 13 वर्षों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 2.6 डिग्री कम है, जबकि अधिकतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.1 डिग्री सेल्सियस कम है।

सैनिक का सम्मान हम सबका सामूहिक दायित्व : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को 78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय सेना की सैन्य ताकत, तकनीकी क्षमता और शौर्य प्रदर्शन की सराहना करते हुए राष्ट्र के लिए सदैव समर्पित भारतीय सैनिकों का अभिनंदन करते हुए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सैनिक का सम्मान हम सबका दायित्व है। सेना के किसी भी अधिकारी, सैनिक के कार्य को राजकीय कार्यालयों और अन्य सभी स्थानों पर प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने भारतीय सेना की शौर्य और बलिदान की परम्परा से जुड़े 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान में नौ ठिकानों को निशाना बनाते हुए चलाए गए भारतीय सेना के अभियान के प्रदर्शन की विशेष रूप से सराहना की।

राज्यपाल ने इस दौरान वहीं आयोजित डॉग शॉ भी देखा। राज्यपाल ने कहा कि 'नो योर आर्मी' भारतीय सैन्य शक्ति की संस्कृति का अनूठा प्रदर्शन है। यह नागरिकों को भारतीय सेना की शक्ति, प्रौद्योगिकी और बलिदान को करीब से देखने का अवसर प्रदान करने के साथ ही सैन्य क्षेत्र में हमारी आत्मनिर्भरता से जुड़े स्वदेशी हथियारों को देख देश पर गौरवान्वित होने का अवसर है। राज्यपाल बागड़े ने भारतीय सेना द्वारा आयोजित प्रदर्शनी की सराहना करते हुए कहा कि आम जनता को सेना के हथियार, तकनीक, कार्यप्रणाली और जवानों के शौर्य से रूबरू कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है। इसके तहत आम नागरिक हमारी सेना के भविष्य के लिए कारगर रोबोटिक म्युअल, मिसाइल, ड्रोन, डॉग स्क्वाड, और मार्शल आर्ट्स जैसे लाइव प्रदर्शन देख पा रहे हैं।

युवा संबल मेला केवल रोजगार मंच नहीं, आत्मनिर्भर भविष्य की शुरुआत है : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जिला प्रशासन एवं कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय युवा संबल मेला-2026 का आयोजन राजकीय महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, जोधपुर में शिक्षा (विद्यालयी/संस्कृत) एवं पंचायती राज मंत्री तथा जोधपुर जिले के प्रभारी मंत्री मदन दिलावर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना एवं उन्हें कौशल आधारित आजीविका से जोड़ना रहा। युवा संबल मेले में 20 विभिन्न क्षेत्रों की 70 से अधिक कंपनियों ने सहभागिता कर युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए। मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने पंजीकरण कर साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया।

प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने मंच से विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों को प्रमाण पत्र एवं सहायता राशि के चेक वितरित किए। उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान जोधपुर की कृतिका अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से सीधे संवाद कर अपने अनुभव साझा किए। प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने अपने उद्बोधन में स्वामी विवेकानंद को स्मरण करते हुए कहा कि आज उनके जन्मदिवस के अवसर पर युवा संबल मेले का आयोजन अत्यंत प्रेरणादायी है।उन्होंने युवाओ को प्रेरित करते हुए कहा कि जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो, तब तक रुकना नहीं चाहिए। युवाओं को निराश होने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि निरंतर प्रयास करते रहना ही सफलता की कुंजी है।

केंद्रीय कारागृह में उभरी विवेकानंद की प्रेरणा

जयपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर श्यालावास केंद्रीय कारागृह में एक अनूठी और प्रेरणादायी पहल देखने को मिली। कारागृह में बंदी राजेश शर्मा द्वारा स्वामी विवेकानंद की भव्य सैंड आर्ट कलाकृति तैयार की गई, जिसने जेल परिसर को आत्मचिंतन, आत्मबल और सकारात्मक ऊर्जा का केंद्र बना दिया। यह कलाकृति जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ की प्रेरणा से तैयार की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और राष्ट्रसेवा की भावना को जागृत करना है। सैंड आर्ट में स्वामी विवेकानंद का आकर्षक और ओजस्वी

स्वरूप उकेरा गया है, जिसके साथ उनके अमर वचनउठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न होको मिट्टी पर कलात्मक ढंग से अंकित किया गया है।

स्वामी विवेकानंद ने भारतीयता की आत्मा को जगाया : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने उस दौर में भारतीयता की आत्मा को जगाया जब वह सुप्त चेतना के कारण अपनी आत्म-जागरूकता को लगभग खो चुका था।

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''स्वामी विवेकानंद ने उस भारत का प्रतिनिधित्व किया, जो उस समय अपनी सुप्त चेतना के कारण आत्म-जागरूकता लगभग खो चुका था। अगर आप समझना चाहते हैं कि गुलामी का असली मतलब क्या होता है तो आप उस समय के भारत को देखकर इसके बारे में जान सकते हैं, जिसने अपनी आत्म-जागरूकता खो दी थी, जहां मुट्ठी भर विदेशी आक्रमणकारी देश को गुलाम बनाने में सफल हो गए थे।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''भारत को कुछ लोग लूट रहे थे। उसकी सभ्यता, संस्कृति और परंपराओं का अपमान किया जा रहा था। उस दौर में उस सुप्त चेतना को जगाने के लिए, भारत को उसकी भारतीय पहचान की आत्म-जागरूकता से जगाने के लिए जिस युवा संन्यासी ने अहम भूमिका निभाई, वह स्वामी विवेकानंद थे।''

नरेंद्र नाथ दत्त उर्फ स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को तत्कालीन कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। उनकी जयंती को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की नरेंद्र से विवेकानंद तक की पूरी यात्रा एक आध्यात्मिक साधक से युग परिवर्तक बनने की यात्रा है। आदित्यनाथ ने कहा, ''उनका संदेश था लक्ष्य पर ध्यान, संकल्प में दृढ़ता और कर्म में निरंतरता। जब तक ये हासिल नहीं होते तब तक सफलता नहीं मिल सकती।''

आदित्यनाथ ने कहा कि गुलामी के दौर में जब भारत अपनी आत्म-जागरूकता से दूर हो गया था तब स्वामी विवेकानंद ने शिकागो में विश्व धर्म संसद (1893) में घोषणा की थी कि वह भारत की उस परंपरा से आते हैं जिसने हमेशा मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''गर्व से कहो, हम हिंदू हैं। भारतीय ज्ञान-परंपरा के ध्वजवाहक, विश्व मंच पर सनातन संस्कृति को पुनर्स्थापित करने वाले राष्ट्रप्रेरक युवा संन्यासी स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन एवं 'राष्ट्रीय युवा दिवस' की सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।'' उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''स्वामी जी के विचारों ने यह सिद्ध किया कि हिंदू धर्म मानवता के समग्र उत्कर्ष एवं कल्याण का सर्वोच्च मार्गदर्शक है। आइए, 'राष्ट्रीय युवा दिवस' पर उनके विचारों को जीवन में धारण कर राष्ट्र सेवा और समाज-उत्थान के संकल्प को और दृढ़ करें।''

अपने बल्ले से जवाब देते हैं कोहली : श्रेयस अय्यर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। भारतीय उपकप्तान श्रेयस अय्यर ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा कि यह चैम्पियन क्रिकेटर बरसों से अपने बल्ले से जवाब दे रहा है जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला के पहले मैच में खेली गई शानदार पारी शामिल है।

कोहली ने 91 गेंद में 93 रन बनाये जिसकी मदद से भारत ने 301 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत दर्ज की ।

इस पारी के दौरान कोहली सबसे तेजी से 28000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर के बाद उनके सर्वाधिक रन हो गए हैं ।

अय्यर ने बीसीसीआई द्वारा डाले गए वीडियो में कहा ,''उनकी पारी के बारे में जितना भी बोलें, कम होगा । हम इतने सालों से देख रहे हैं और वह लगातार कर रहे हैं । जिस तरह से वह स्ट्राइक रोटेट करते हैं और गेंदबाजों की धुनाई करते हैं, वह अपने बल्ले से ही जवाब देते हैं ।''

चोट के बाद वापसी कर रहे अय्यर ने कहा ,'' श्रृंखला की शुरुआत जीत के साथ करके अच्छा लगा । टीम में काफी समय बाद लौटा हूं और बहुत अच्छा लग रहा है । सभी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव है । मुझे इसकी कमी खल रही थी और वापसी करके बहुत अच्छा लग रहा है ।''

एआई की पैठ के मामले में अव्वल देश बना भारत : जितिन प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग तथा आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को दावा किया कि देश में प्रौद्योगिकी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से विकसित किया जा रहा है और भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की पैठ के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर पहुंच चुका है।

प्रसाद ने यहां 'उत्तर प्रदेश एआई और स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन' को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश का गंतव्य तो बन ही गया है, साथ ही अब यह टेक डेस्टिनेशन और देश का ग्रोथ इंजन भी बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां औद्योगिकीकरण तो हुआ ही है लेकिन अब यह राज्य डिजिटाइजेशन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''जहां तक देश का सवाल है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था तो बन ही गया है लेकिन अध्ययन बताते हैं कि एआई की पैठ के मामले में भारत नंबर एक पर पहुंच चुका है। हमारे देश में टेक्नोलॉजी और एआई का बहुत बड़ा तंत्र तेजी से बन रहा है। यह कोई मामूली चीज नहीं है।''

प्रसाद ने विभिन्न चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जिक्र किया और कहा, ''जनता का साथ मिल रहा है तभी हम दूरगामी नीतियों के साथ काम कर रहे हैं। हम अगले 15 साल के लिए नींव तैयार कर रहे हैं। हम युवाओं के लिए ऐसी योजनाएं और निर्णायक नीतियां ला रहे हैं जिससे उनका भविष्य बेहतर बने।'' उन्होंने अगले महीने दिल्ली में आयोजित होने जा रहे 'एआई इम्पैक्ट समिट' का जिक्र करते हुए कहा, ''एआई इंपैक्ट समिट अगले महीने दिल्ली में होने वाला है, यह बहुत बड़ी चीज है। अभी तक इस सम्मेलन की मेजबानी फ्रांस, ब्रिटेन या अन्य विकसित देशों को ही मिली है। पहली बार भारत जैसे विकासशील देश के खाते में यह सम्मेलन आया है। यह हम लोगों के लिए बहुत गर्व की बात है।''

प्रसाद ने कहा कि यह सम्मेलन आगामी 15 से 20 फरवरी के बीच आयोजित होगा। इसमें दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्ष, राजनयिक, प्रभावशाली लोग और एआई क्षेत्र के दिग्गज शामिल होंगे।

झांसी में एक करोड़ की मार्फिन जब्त, महिला समेत दो गिरफ्तार

झांसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के झांसी में स्वापक रोधी कार्य बल और पुलिस की टीम ने एक संयुक्त अभियान में राजस्थान से झांसी तस्करी कर लाई गई एक किलोग्राम मॉर्फिन जब्त की और एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपए है। क्षेत्राधिकारी (नगर) लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि सोमवार दोपहर कार्य बल प्रभारी चंदन पांडेय और नवाबाद थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान स्थानीय बस स्टैंड के निकट एक पेट्रोल पंप के पास एक महिला और एक पुरुष को पकड़ा। उन्होंने बताया कि ये आरोपी अपने कपड़ों के बीच करीब एक किलोग्राम मॉर्फिन छुपाए हुए थे। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान उन्होंने यह मादक पदार्थ राजस्थान से तस्करी कर झांसी लाने की बात कबूल की। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान झालावाड़ निवासी उकार लाल और लीलाबाई के रूप में हुई है तथा दोनों के खिलाफ नवाबाद थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

बिहार के पूर्णिया में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, एक गिरफ्तार

पूर्णिया/भाषा। बिहार के पूर्णिया जिले में एक युवती से कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने हालांकि आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है। पूर्णिया की पुलिस अधीक्षक (एसपी) स्वीटी सहरावत ने बताया कि यह घटना 10 जनवरी को जिले के डगरूआ क्षेत्र में हुई। उन्होंने बताया, 24 वर्षीय पीड़िता ने 10 जनवरी को पुलिस को सूचना दी कि उससे सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। पुलिस ने तुरंत उसका पता लगाया और उसे नजदीकी अस्पताल ले जाकर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई। अधिकारी ने बताया, पीड़िता के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया और इस संबंध में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस दो अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पीड़िता की चिकित्सकीय जांच भी कराई जा रही है।

दरभंगा राजघराने की अंतिम महारानी

कामसुंदरी देवी का 96 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दरभंगा/भाषा। बिहार में दरभंगा के अंतिम शासक महाराज कामेश्वर सिंह की तीसरी महारानी कामसुंदरी देवी का सोमवार को निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 96 वर्ष की थीं और निसंतान थीं। इससे पहले दो अन्य महारानियों का भी निधन हो गया था। सूत्रों के अनुसार, महारानी कामसुंदरी की अंतिम यात्रा श्यामा माई मंदिर परिसर से निकाली जाएगी।

श्यामा माई मंदिर परिसर, राजपरिवार का परंपरागत अंत्येष्टि स्थल है और शाही परिसर के भीतर स्थित है।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष संजय सरावगी और बिहार के समाज कल्याण मंत्री मदन सहनी समेत कई नेताओं ने महारानी के निधन पर शोक व्यक्त किया।

उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल के भी महारानी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की संभावना है।

कामसुंदरी देवी पिछले छह महीनों से अस्वस्थ थीं और दरभंगा स्थित कल्याणी निवास में उन्होंने अंतिम सांस ली।

अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़

बिहार, केरल, ओडिशा के लोगों को गिरफ्तार किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर पुलिस ने एक अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया, जिसमें 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने रविवार को शहर के बड़ागाड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में एक मकान पर छापा मारा और आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में से सात बिहार के, चार केरल के और एक ओडिशा का था। उन्होंने कहा कि गिरोह द्वारा की गई धोखाधड़ी में शामिल कुल धनराशि का पता लगाया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त एस देव दत्त सिंह ने कहा, ''हमने 30 साधारण कीपैड मोबाइल फोन, 30 स्मार्टफोन, दो लैपटॉप, स्क्रैच कार्ड और कुछ पत्र जब्त किए हैं।'' उन्होंने बताया, ''आरोपी भुवनेश्वर में एक बड़ा साइबर धोखाधड़ी गिरोह चला रहे थे।''

भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन मीना ने कहा कि गिरोह लोगों को तीन तरह से धोखा देता था - उपहार वाउचर, लॉटरी टिकट और ऋण के माध्यम से। उन्होंने बताया कि गिरोह ने अलग-अलग राज्यों के लोगों से ठगी की है।

2027 में 22 भाषाओं में संसद की कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि लोकसभा में पहली बार कार्यवाही का 22 भाषाओं में समांतर अनुवाद शुरू हो चुका है और 2027 में इन सभी भाषाओं में कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा।

बिरला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में संसद में नवाचार के अनेक प्रयास गिनाते हुए कहा कि अभी तक सांसदों को उनके लिखित प्रश्न का उत्तर सुबह 9.30 बजे तक मिलता था, लेकिन अब उन्हें एक दिन पहले रात में ही उत्तर मिल जाएगा जिससे वे अपने पूरक प्रश्न तैयार कर सकेंगे।

जब अध्यक्ष से संसद में विधेयक पेश किए जाने से ऐन पहले उसकी प्रति दिए जाने के संबंध में कुछ विपक्षी सदस्यों की चिंताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मेरा भी मत है कि सदस्यों को विधेयक मिलने के बाद उस पर चर्चा में भाग लेने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए जिससे वह तैयारी कर सकें।'' उन्होंने कहा कि इसके लिए संबंधित विभागों के मंत्रियों से कहा गया है कि नियम-प्रक्रिया के तहत विधेयक पेश करने से पहले सदस्यों को उसके अध्ययन के लिए जितना समय मिलना चाहिए, उतना दिया जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में पहली बार कार्यवाही का 22 भाषाओं में समांतर अनुवाद किया जा रहा है। बिरला ने कहा कि 2027 में इन सभी भाषाओं में कार्यवाही का प्रसारण किया जाएगा।

बिरला ने कहा, ''मुझे आशा है कि बजट सत्र में सदस्य सभी बाइस भाषाओं में बोलेंगे और ऐसा इतिहास में पहली बार होगा। केवल भारत की संसद में यह सुविधा है।''

बिरला ने यह भी कहा कि इस साल मानसून सत्र में एआई के माध्यम से सदस्यों को समस्त परिपत्र बाइस भाषाओं में उपलब्ध कराए जाएंगे और इस दिशा में प्रयास जारी हैं।

एसआईआर के दौरान

एआई-आधारित डिजिटलीकरण की त्रुटियों से हो रही व्यापक कठिनाई : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को फिर से पत्र लिखकर दावा किया कि 2002 की मतदाता सूचियों में एआई-आधारित डिजिटलीकरण त्रुटियों के कारण एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को व्यापक कठिनाई हो रही है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की

शुरुआत के बाद से मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लिखे अपने पांचवें पत्र में, बनर्जी ने कहा कि एआई उपकरणों का इस्तेमाल करके 2002 की मतदाता सूची के डिजिटलीकरण के दौरान मतदाताओं के विवरण में गंभीर त्रुटियां हुईं।

उन्होंने कहा कि इसके कारण डेटा में बड़े पैमाने पर विसंगति देखने को मिली और कई पात्र मतदाताओं को गलत तरीके से ''तार्किक विसंगतियों'' वाला बताकर चिह्नित कर दिया गया।

निर्वाचन आयोग पर पिछले दो दशकों से अपनाई जा रही अपनी ही वैधानिक प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि अर्ध-न्यायिक सुनवाइयों के बाद पहले किए गए संशोधनों के बावजूद मतदाताओं को अपनी पहचान दोबारा साबित करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

जयंती

पश्चिम बंगाल में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की 163वीं जयंती मनाई गई। जयंती समारोह के बीच, उत्तरी कोलकाता में स्वामी विवेकानंद के पैतृक घर के पास सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी के पोस्टर को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया। पोस्टर में अभिषेक बनर्जी को 'युवराज' कहा गया है। विवेकानंद जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में भी मनायी जाती है। स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित रामकृष्ण मठ और मिशन की विभिन्न शाखाओं ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में जुलूस निकाले, जिनमें स्कूली छात्र शामिल हुए।

साइबर ठगों ने साल भर में दिल्ली में 1,250 करोड़ रुपए की ठगी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। साइबर ठगों ने दिल्ली क्षेत्र में पिछले एक साल में भोले-भाले लोगों से कुल 1,250 करोड़ रुपए की ठगी की। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। देशव्यापी आंकड़ा लगभग 20,000 करोड़ रुपए या किसी राज्य के बजट के बराबर होने का अनुमान है। पिछले हफ्ते दिल्ली की ग्रेटर कैलाश कॉलोनी में एक बुजुर्ग दंपति के साथ 14.85 करोड़ रुपए की ठगी हुई थी।

पुलिस ने बताया कि 2024 में अपराधियों ने - जो आमतौर पर कंबोडिया, वियतनाम और लाओस में स्थित हैं और ज्यादातर चीनी आकाओं के इशारे पर काम करते हैं - दिल्ली में सामूहिक रूप से 1,100 करोड़ रुपए की ठगी की।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 1,250 करोड़ रुपए हो गया। अच्छी बात यह है कि ठगी की रकम वापस हासिल करने की भी दर 2024 के 10 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 24 प्रतिशत हो गई।

इस मामले के मद्देनजर, एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने ऐसे जालसाजों के तौर-तरीकों को समझाते हुए बताया कि 'डिजिटल अरेस्ट' के मामले, निवेश धोखाधड़ी के साथ, उन दो सबसे आम तरीकों के रूप में उभरे हैं जिनमें लोग अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं। जांचकर्ताओं ने कहा कि इनमें से अधिकांश ठग कंबोडिया, लाओस और वियतनाम जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से ठगी को अंजाम देते हैं, जहां से चीनी संचालकों द्वारा संचालित गिरोह दुनिया भर के लोगों को अपना शिकार बना सकते हैं।

ओडिशा भर में 50 लाख से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के शैक्षणिक संस्थानों के 50 लाख से अधिक छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने सोमवार को बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा लिखित राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन में भाग लिया, जो इस गीत की रचना की 150वीं वर्षगांठ का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम का आयोजन राज्य के स्कूल एवं जन शिक्षा और उच्च शिक्षा विभागों द्वारा किया गया था।

कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले संस्थानों ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इससे पहले, विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार से पूरे ओडिशा में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने का आग्रह किया था।

राष्ट्रीय गीत गाने के अलावा, प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प' की शपथ भी ली।

निगरानी को लेकर लगातार जागरूकता की ओर बढ़ने की जरूरत : आरबीआई डिप्टी गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने बैंकों से पूरे साल मजबूत परिचालन अनुशासन और डेटा प्रशासन लागू करने को कहा है। उन्होंने कहा कि निगरानी को समय-समय पर ली जाने वाली रिपोर्ट के बजाय निरंतर जागरूकता की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

डिप्टी गवर्नर ने शुक्रवार को यहां 'कॉलेज ऑफ सुपरवाइजर' के तीसरे वार्षिक वैश्विक सम्मेलन में 'डिजिटल युग में बैंकिंग निगरानी के मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर कहा कि दशकों से निगरानी करने वालों को बही-खाते पढ़ने और प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने के लिए प्रशिक्षित किया गया और आज भी यह उसी तरह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज एक बैंक कागजों पर बिल्कुल स्वस्थ दिख सकता है और फिर भी वह किसी एक घटना के

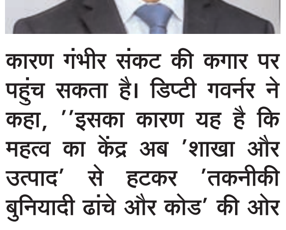

कारण गंभीर संकट की कगार पर पहुंच सकता है। डिप्टी गवर्नर ने कहा, ''इसका कारण यह है कि महत्व का केंद्र अब 'शाखा और उत्पाद' से हटकर 'तकनीकी बुनियादी ढांचे और कोड' की ओर जा रहा है।'' स्वामीनाथन ने कहा कि दूसरे शब्दों में, स्थिरता अब परिचालन मजबूती, डेटा की अखंडता और बाहरी पक्षों पर निर्भरता पर उतनी ही आधारित है, जितनी की पूंजी और नकदी पर। उन्होंने कहा कि डिजिटल वातावरण में, एक कमजोर शिकायत प्रणाली केवल एक मामूली असुविधा नहीं है, बल्कि यह अक्सर एक शुरुआती चेतावनी होती है।

स्वामीनाथन ने कहा, ''निगरानी के लिहाज से हमें न केवल यह देखना होगा कि बैंक के पास शिकायत निवारण ढांचा है या नहीं, बल्कि यह भी देखना होगा कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। क्या शिकायतों का समय पर समाधान हो रहा है? क्या संस्थान मूल कारणों की पहचान कर उन्हें दूर कर रहे हैं, या वे केवल कागजों पर शिकायतों को बंद कर रहे हैं? क्या बोर्ड शिकायत के रुझान, बार-बार होने वाली विफलताओं और ग्राहकों की समस्याओं का स्पष्ट विवरण देख पा रहे हैं?

सुविचार

बुरी किस्मत का मुक़ाबला सिर्फ एक ही चीज़ के साथ हो सकता है और वो है कड़ी मेहनत।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इतिहास दोहराएगा ईरान?

ईरान में देशव्यापी प्रदर्शनों के दौरान मृतकों का बढ़ता आंकड़ा संकेत देता है कि इस बार ईरानियों ने 'कुछ बड़ा' करने का निश्चय कर लिया है। सर्वोच्च नेता खामेनेई रहेंगे या जाएंगे, जैसे सवालों के बीच रेज़ा पहलवी को उम्मीद की किरण के रूप में देखा जा रहा है। भारत में कई लोग उन्हें उदारवादी चेहरा बता रहे हैं। सोशल मीडिया पर उनके पक्ष में काफी लिखा जा रहा है। बेशक खामेनेई के शासन में ढेरों खामियां हैं, लेकिन रेज़ा पहलवी से ज्यादा उम्मीदें लगाना जल्दबाजी होगी। लगभग सवा साल पहले मोहम्मद यूनुस भी उदारवादी चेहरा थे। नोबेल पुरस्कार विजेता होने के कारण उनसे लोगों ने ज्यादा ही उम्मीदें लगा ली थीं। नतीजा क्या निकला? वे हर मोर्चे पर नाकाम साबित हुए। रेज़ा पहलवी अमेरिका में रहते हैं और ईरान के क्राउन प्रिंस कहलाना पसंद करते हैं। वे आह्वान कर रहे हैं कि ईरान की जनता हड़ताल करे, शहरों पर कब्जा करे ... उसके बाद वे स्वदेश लौटेंगे। यानी गोली खाए जनता और सत्ता पाए रेज़ा! जो लोग सोशल मीडिया पर ईरान के पुराने और कथित खुशहाल दौर की तस्वीरें पोस्ट कर रहे हैं, उन्हें मालूम होना चाहिए कि इन तस्वीरों का एक पहलू और है, जिसकी तरफ किसी की नजर नहीं जा रही है। मोहम्मद रेज़ा पहलवी के शासन में कट्टरपंथ पर काफी हद तक नियंत्रण था, लेकिन जनता परेशान थी। गरीबी ज्यादा थी और आम लोग बमुश्किल पेट भर पाते थे। वहीं, मो. रेज़ा पहलवी को अपने ऐशो-आराम से ही फुर्सत नहीं थी। वे बड़ी-बड़ी पार्टियां करने के शौकीन थे, जिनमें देश का धन लुटाया जाता था। जनता ने उनसे त्रस्त होकर ही क्रांति की थी, जिसके नतीजे में रुहोल्लाह खुमैनी और उनके समर्थकों के लिए मार्ग प्रशस्त हुआ था।

ईरान के लोगों ने किसी कालखंड में उपासना के तौर-तरीके जरूर बदल लिए, लेकिन उनके जीवन पर प्राचीन संस्कृति का प्रभाव है। वे बहुत सख्त अनुशासन के आदी नहीं रहे हैं। उन्हें उत्सव मनाना, पिकनिक पर जाना, संगीत सुनना और फिल्में देखना बहुत पसंद है। वहां भारतीय फिल्में खूब देखी जाती हैं। सर्वोच्च नेता खामेनेई अपने ही देशवासियों को नहीं समझ पाए। वे उन पर कई तरह की बंदिशें थोपते रहे। जब बंदिशें एक हद से ज्यादा हो जाती हैं तो लोग प्रतिक्रिया देते हैं। किसी देश में अनुशासन स्थापित करने का यह मतलब नहीं कि लोगों का जीना मुश्किल कर दें। खामेनेई महंगाई को नियंत्रित नहीं कर सके। वे डॉलर के बढ़ते भाव को नकेल नहीं डाल सके। वे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं दे रहे। वे वैज्ञानिक विकास नहीं दे रहे। वे लोगों को कोई उम्मीद भी नहीं दे रहे। अगर लोग हल्की-सी आवाज उठाते हैं तो उनका बेदर्दी से दमन किया जाता है। ऐसे में वे विद्रोह न करें तो क्या करें? खामेनेई बहुत अनुभवी नेता हैं। उन्हें जरूर पता होगा कि एक बिंदु के बाद लोगों के मन से डर खत्म हो जाता है। फिर, मौत का डर भी नहीं रहता। ईरान के अटॉर्नी जनरल प्रदर्शनकारियों को मृत्युदंड का डर दिखा रहे हैं! क्या ऐसी धमकियों से प्रदर्शन खत्म होते हैं? जनता को धमकियां देने के बजाय उसकी बात सुनें। अगर इस बार प्रदर्शनकारियों को बलपूर्वक दबा देंगे तो यह न समझें कि भविष्य में शांति रहेगी। सालभर बाद फिर कोई मुद्दा उठेगा। वह विद्रोह भड़काने में चिंगारी का काम करेगा। खामेनेई कितने लोगों पर गोलियां चलाएंगे और कब तक चलाएंगे? आम आदमी का विश्वास जीतकर, उसका जीवन आसान बनाकर ही कोई शासक यशस्वी हो सकता है। अपने नागरिकों पर ज्यादा सख्ती से हालात सुधरते नहीं, बल्कि बिगड़ते हैं। जनता ने कई सम्राटों और तानाशाहों के सिंहासन उलट दिए। अगर ईरान में भी यही इतिहास दोहराया जाए तो इसमें किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

युवा शक्ति प्रदेश के भविष्य की दिशा तय करती है, इसी विजन के साथ आज मुख्यमंत्री निवास पर बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवा छात्रों से विस्तृत विमर्श किया। इन प्रतिभाशाली युवाओं के नवाचारी विचार सुनकर अत्यंत प्रसन्नता हुई।

-भजनलाल शर्मा

मोदी जी के नेतृत्व में भारत की छवि एक ऐसे मित्र देश के रूप में मजबूती से स्थापित हो चुकी है जो आपदा के दौर में हर कदम मदद को तैयार रहता है तो बड़े से बड़े दबाव के समक्ष भी अपनी नीतियों पर अटल रहता है।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

कांग्रेसी नेता बिल्कुल हल्के स्तर की राजनीति पर उतर आए है। बिना सोच वाली राजनीतिक पार्टी कांग्रेस एक ओर भ्रष्टाचारियों का साथ दे रही है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्र प्रथम की भावना और विकसित भारत के सपने को पुरा करने की दिशा में कार्य करने वालों का विरोध कर रही है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

लगन से कामयाबी

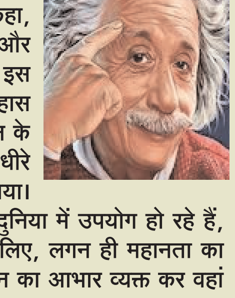

एक बार एक युवक ने आइंस्टीन से कहा, 'लोग आपको महान कहते हैं और आपकी पूरी दुनिया में प्रसिद्धि है। कृपा कर बताइए, महान बनने का मंत्र क्या है?' आइंस्टीन ने संक्षेप में कहा, 'लगन।' युवक ने पूछा, 'कैसे?' आइंस्टीन मुस्कुराए और बोले, 'गणित से मुझे बहुत भय लगता था। मैं अक्सर इस विषय में अनुत्तीर्ण हो जाता था और सहपाठी मेरा उपहास करते थे। एक दिन मैंने आत्ममंथन किया और लगन के साथ गणित के सवाल हल करने शुरू किए। धीरे-धीरे सभी सवाल सरल होने लगे और मेरा डर दूर हो गया। लगन का ही परिणाम है कि मेरे सिद्धांत आज भी दुनिया में उपयोग हो रहे हैं, और विज्ञान के क्षेत्र में मैंने सफलता प्राप्त की। इसलिए, लगन ही महानता का सबसे बड़ा मंत्र है।' यह सुनकर वह युवक आइंस्टीन का आभार व्यक्त कर वहां से चला गया।

सामयिक

अमेरिका का इतिहास रहा है सैन्य दखल

मनीष कुमार चौधरी
मोबाइल : 9829453147

वेनेजुएला से अपनी सैन्य क्षमता के बल पर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को बलात उठा लाने के बाद अमेरिका की काफी थूं-थूं हो रही है। इसके पीछे ट्रंप का खेल चाहे जो हो, संयुक्त राज्य अमेरिका ने अपने पूरे इतिहास में दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों और देशों पर राजनीतिक, सैन्य व प्रशासनिक नियंत्रण रखा है। ये क्षेत्र अक्सर युद्ध, संधियों या अन्य राजनयिक तरीकों से हासिल किए गए थे। 19वीं-20वीं सदी में अमेरिका ने मैक्सिको, क्यूबा, निकारागुआ, होंडुरास, पनामा पर हमले किए थे। चिली, ग्वाटेमाला, इक्वाडोर, पेरू, ब्राजील में तो तख्तापलट भी कराए। लैटिन अमेरिका में अमेरिकी दखल का पुराना अतीत रहा है। कुछ देश ऐसे हैं जो कभी सीधे कंट्रोल या प्रोटेक्टर और ट्रस्टीशिप के जरिए यूनाइटेड स्टेट्स के शासन या प्रशासन के तहत थे। जैसे फिलीपींस (1898-1946)- पहले मिलिट्री प्रशासन के तहत और बाद में आजादी की तैयारी में एक द्वीपीय सरकार के तहत। क्यूबा (1898-1902)- स्पेन द्वारा क्यूबा को यूनाइटेड स्टेट्स को सौंपने के बाद मिलिट्री प्रशासन के तहत। प्यूर्टो रिको (1898)- शुरुआत में मिलिट्री शासन के तहत, बाद में फोराकर एक्ट के तहत नागरिक सरकार की स्थापना। पनामा नहर क्षेत्र (1903-1979)- पहले इस्थमियन नहर आयोग के तहत प्रशासित, लेकिन बाद में पनामा नहर क्षेत्र के लिए गवर्नरशिप दी गई। हैती (1915-1934) हैती के स्थिरीकरण में यूनाइटेड स्टेट्स के वित्तीय हितों के लिए सैन्य कब्जा किया गया, बनाना वॉर्स का एक हिस्सा। डोमिनिकन गणराज्य (1916-1924)-यूरोपीय लेनदारों को कर्ज चुकाने के लिए अस्थायी मिलिट्री कब्जा किया गया। निकारागुआ (1912-1933)- यूएस के वित्तीय हितों के लिए मिलिट्री कब्जा किया गया, खासकर निकारागुआ नहर के निर्माण को रोकने के लिए, बनाना वॉर्स का एक हिस्सा। जापान (मुख्य भूमि)-1945-1952, दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद सैन फ्रांसिस्को संधि तक कब्जा किया गया। जापान (रयूकू द्वीप)-1950-1972, दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद ओकिनावा वापसी समझौते तक सैन्य कब्जा। दक्षिण कोरिया (1945-1948)- सोवियत नागरिक प्रशासन की प्रतिक्रिया में अस्थायी मिलिट्री कब्जा किया। मार्शल द्वीप समूह और पलाऊ (1947-1994)- यू.एस. प्रशासन के तहत संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट क्षेत्र। माइक्रोनेशिया (1947-1994)- संयुक्त राष्ट्र ट्रस्ट टेरिटरी अमेरिकी प्रशासन के तहत। जर्मनी (1945-1955)- द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद सहमत पॉट्सडैम समझौते के लागू होने के तहत सैन्य कब्जा किया गया। ऑस्ट्रिया (1945-1955)- द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद सहमत मॉस्को सम्मेलन के लागू होने के तहत कब्जा किया गया। इसके अलावा पिछले चार दशक में भी अमेरिका ने कई देशों में अपनी सैन्य उपस्थिति दर्ज कराई।

2 अगस्त, 1990 को इराकी सेना ने कुवैत पर हमला किया, जो देश के दक्षिण में एक छोटा तेल समृद्ध देश था। एक हफ्ते बाद अमेरिका ने ऑपरेशन डेजर्ट शील्ड' शुरू किया और हजारों सैनिकों को सऊदी अरब भेजा। इस छोटे से युद्ध के दौरान लगभग 694,550 अमेरिकी सैनिकों को इस क्षेत्र में तैनात किया गया था। 28 फरवरी, 1991 को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज एच.डब्ल्यू. बुश ने युद्धविराम की घोषणा की, और उसी साल 3 अप्रैल को संयुक्त राष्ट्र ने एक प्रस्ताव पारित कर औपचारिक रूप से संघर्ष को समाप्त कर दिया। 7 अक्टूबर, 2001 को राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के नेतृत्व में अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद अफगानिस्तान पर हमला किया। उनके नेतृत्व वाले गठबंधन ने सत्तारूढ़ तालिबान शासन पर ओसामा बिन लादेन को पनाह देने का आरोप लगाया, जो अल-कायदा का नेता था जिसने हमलों की जिम्मेदारी ली थी। 31 अगस्त, 2021 को आधिकारिक तौर पर अफगानिस्तान में 20 साल लंबा युद्ध खत्म हुआ। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे लंबा युद्ध था। वर्ष 2011 में जब युद्ध अपने चरम पर था, अमेरिका के पास बगराम से कंधार तक कम से कम 10 मिलिट्री बेस में लगभग एक लाख सैनिक थे। वर्ष 2001 से युद्ध के सीधे परिणाम के रूप में अनुमानित 241,000 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा सैकड़ों-हजारों लोग, इनमें ज्यादातर नागरिक शामिल थे, इस विनाशकारी युद्ध के कारण भूख, बीमारी और चोटों से मारे गए। वर्ष 2003 में अमेरिका ने इराक पर हमला किया, जब उसने लंबे समय से इराकी नेता सद्दाम हुसैन पर सामूहिक विनाश के रासायनिक हथियार रखने का आरोप लगाया। लेकिन कोई हथियार नहीं मिला। वर्ष 2007 में इराक में अमेरिकी के अनुमानित तौर पर 170,000 सैनिक थे। वर्ष 2011 के बाद इराकी सरकार के साथ एक सुरक्षा समझौते के तहत अमेरिकी सैन्य वापसी हुई। समझौते के तहत आज भी इराक में लगभग 2,500 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं।

भले ही संयुक्त राज्य अमेरिका सीधे सैन्य कब्जे और सरकार के जरिए किसी भी आजाद विदेशी देश पर औपचारिक रूप से 'शासन' नहीं करता हो, लेकिन अमेरिका दुनिया भर के कई देशों में सैकड़ों मिलिट्री बेस और हजारों सैनिकों के साथ एक महत्वपूर्ण वैश्विक सैन्य उपस्थिति बनाए रखता है। आमतौर पर सहयोगी सरकारों के साथ आपसी रक्षा समझौतों के माध्यम से। अमेरिका कम से कम 80 देशों और क्षेत्रों में लगभग 750 सैन्य अड्डे संचालित करता है। लगभग 165,000 सक्रिय अमेरिकी सैन्यकर्मी रणनीतिक कारणों से और नाटो जैसे गठबंधनों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में लगभग 178 अलग-अलग देशों में स्थायी रूप से तैनात हैं। वास्तविक संख्या इससे भी ज्यादा हो सकती है, क्योंकि पेंटागन द्वारा सभी डेटा प्रकाशित नहीं किए जाते हैं। जापान, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, इटली, यूनाइटेड किंगडम में सबसे ज्यादा अमेरिकी सैनिक स्थायी रूप से तैनात हैं। जापान में 53,700, जर्मनी में 33,900 और दक्षिण कोरिया में 26,400 सैनिक हैं। हालांकि यह उपस्थिति मुख्य रूप से सामूहिक सुरक्षा, रक्षा सहयोग और लॉजिस्टिक्स के लिए है, न कि मेजबान देशों पर शासन करने के लिए। संयुक्त राज्य अमेरिका पांच प्रमुख बसे हुए द्वीप क्षेत्रों पर भी संप्रभुता का प्रयोग करता है, जो अमेरिका का हिस्सा हैं लेकिन राज्यों के समान दर्जा नहीं रखते हैं। इनमें अमेरिकन समोआ, उत्तरी मारियाना द्वीप समूह का राष्ट्रमंडल, गुआम, प्यूर्टो रिको, अमेरिकी वर्जिन द्वीप समूह शामिल हैं। इन क्षेत्रों में अलग-अलग स्तर की स्वशासन व्यवस्था है, लेकिन अंततः वे अमेरिकी संघीय सरकार के अधिकार के अधीन रहते हैं। अपने पूरे इतिहास में अमेरिका विभिन्न नीतिगत उद्देश्यों के लिए विदेशी देशों में सैकड़ों सैन्य हस्तक्षेपों और संघर्षों में शामिल रहा है, जिसमें आक्रमण और शासन परिवर्तन अभियान शामिल हैं। हालांकि, ये आमतौर पर सेना की वापसी और स्थानीय सरकारों की स्थापना के साथ समाप्त होते हैं, जैसा कि 2021 में अफगानिस्तान से वापसी के साथ देखा गया था।

ब्राउन यूनिवर्सिटी के कॉस्ट्स ऑफ वॉर प्रोजेक्ट के अनुसार, पिछले 20 सालों में अकेले अमेरिका ने अपने तथाकथित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक युद्ध' पर 8 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए हैं। अफगानिस्तान में युद्ध पर 2.3 ट्रिलियन डॉलर खर्च हुए, जो 20 सालों तक हर दिन 300 मिलियन डॉलर से ज्यादा के बराबर है। इराक और सीरिया में युद्धों पर 2.1 ट्रिलियन डॉलर खर्च किए गए और 355 बिलियन डॉलर अन्य युद्धों पर खर्च किए गए। बाकी पैसे में युद्धों को फंड देने के लिए उधार ली गई भारी रकम पर एक बिलियन डॉलर से ज्यादा का ब्याज भुगतान और अगले 30 सालों में पूर्व सैनिकों की देखभाल के लिए 2.2 बिलियन से ज्यादा की देनदारियां शामिल हैं। इसका मतलब है कि अपनी हैसियत ऊंची रखने और दुनिया के सामने एक साम्राज्यवादी देश के रूप में छवि बनाने के लिए अमेरिका आने वाले सालों तक युद्धों के लिए भुगतान करता रहेगा।

विशेष

खुशियों का संदेशवाहक पर्व है लोहड़ी

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

उत्तर भारत में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्ञवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति

में ही इस दिन अग्नि प्रज्ञवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है। जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं। लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

नजरिया

हृदयरोगियों के लिए सर्दियों में विशेष सतर्कता जरूरी

देवेंद्र सिंह
मोबाइल : 80946 61100

हाल के वर्षों में हार्ट अटैक के मामलों में जिस तेजी से वृद्धि हुई है, उसने चिकित्सकों के साथ-साथ आम लोगों की चिंता भी बढ़ा दी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) सहित कई प्रमुख संस्थानों की ओर से हाल ही में किए गए अध्ययनों में यह स्पष्ट हुआ है कि अब हार्ट अटैक केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रह गई है। विशेष रूप से 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं और वयस्कों में दिल के दौरे के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे सबसे बड़ा कारण जीवनशैली में आए बदलाव हैं। आज की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी में अनियमित खानपान, जंक फूड और तले-भुने भोजन की बढ़ती आदत, शारीरिक गतिविधियों की कमी, लगातार तनाव, धूम्रपान और शराब का सेवन, मोटापा, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसे कारक दिल की सेहत पर गहरा असर डाल रहे हैं। यही कारण है कि कम उम्र में भी लोग हृदय रोग की चपेट में आ रहे हैं। एक बड़े वैश्विक अध्ययन, जिसमें लाखों वयस्कों को शामिल किया गया, यह सामने आया कि लगभग 99 प्रतिशत हार्ट अटैक और स्ट्रोक चार मुख्य जोखिम कारकों से जुड़े होते हैं। ये कारक हैं- उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल, बढ़ी हुई रक्त शर्करा और धूम्रपान। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल का दौरा शायद ही कभी अचानक बिना किसी चेतावनी के आता है। अधिकांश मामलों में वर्षों पहले ही शरीर संकेत देने लगता है, लेकिन लोग इन्हें अनदेखा कर देते हैं।

समय-समय पर स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर और शुगर की निगरानी, तथा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके बावजूद जागरूकता की कमी के कारण लोग शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते। आंकड़ों के अनुसार, हार्ट अटैक के सबसे अधिक मामले सर्दियों के मौसम में सामने आते हैं। तापमान गिरने के साथ ही शरीर में कई ऐसे बदलाव होते हैं, जो हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। ठंड के मौसम में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिसे चिकित्सकीय भाषा में वासोकोनस्ट्रिक्शन कहा जाता है। इससे रक्तचाप बढ़ जाता है और दिल को सामान्य से अधिक मेहनत करनी पड़ती है। सर्दियों में खून थोड़ा गाढ़ा हो जाता है, जिससे ब्लड क्लॉट बनने की संभावना बढ़ जाती है। यही कारण है कि दिल की धमनियों में रुकावट का खतरा अधिक हो जाता है। एक शोध में यह भी पाया गया है कि छुट्टियों के मौसम में दिल के दौरे के मामलों में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि होती है, जबकि इनसे होने वाली मौतों में 40 प्रतिशत तक इजाफा देखा गया है। दिसंबर का महीना दिल के मरीजों के लिए सबसे अधिक जोखिम भरा माना जाता है। ठंडी हवा शरीर के तापमान को बनाए रखना कठिन बना देती है। जब शरीर जल्दी-जल्दी गर्मी खोता है, तो हाइपोथर्मिया की स्थिति बन सकती है, जो हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसके अलावा सर्दियों में वातावरण में ऑक्सीजन का घनत्व भी कम हो

जाता है। ऐसे में हृदय को अधिक ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है, लेकिन सिकुड़ी हुई रक्त वाहिकाओं के कारण दिल तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। यही असंतुलन कई बार हार्ट अटैक का कारण बन जाता है। सर्दियों में शारीरिक निष्क्रियता और भावनात्मक तनाव भी बढ़ जाता है। लोग ठंड के कारण घर से बाहर कम निकलते हैं, व्यायाम कम हो जाता है और मानसिक तनाव बढ़ने लगता है। ये सभी कारक मिलकर दिल के दौरे के खतरे को और बढ़ा देते हैं।

हार्ट अटैक के लक्षण हर व्यक्ति में एक जैसे नहीं होते। सबसे आम लक्षण सीने में तेज़ और असहनीय दर्द है, जो गर्दन, कंधे और बाएं हाथ तक फैल सकता है। कई बार यह दर्द जलन या भारीपन के रूप में महसूस होता है। पुरुषों में मतली, पसीना आना और चक्कर आने जैसे लक्षण अधिक देखे जाते हैं, जबकि महिलाओं में बिना किसी स्पष्ट कारण के अत्यधिक थकान, सांस फूलना और चक्कर आना जैसे असामान्य संकेत भी हो सकते हैं। हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सीने में दर्द या जलन कुछ मिनटों से अधिक समय तक बनी रहे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए। हालांकि घरेलू नुस्खे इलाज का विकल्प नहीं हैं, लेकिन नियमित देखभाल के रूप में ये लाभकारी साबित हो सकते हैं। सर्दियों में लहसुन का सेवन खून को पतला रखने में मदद करता है और ब्लॉकेज बनने का खतरा कम करता है। सुबह एक कली लहसुन पानी के साथ लेना फायदेमंद माना जाता है। रात में सोने से पहले हल्का गर्म हल्दी वाला दूध पीना भी दिल के लिए लाभकारी है। हल्दी में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण सूजन को कम करने में मदद करते हैं। ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे अखरोट, अलसी, बादाम और मछली का तेल भी हृदय स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हैं। सर्दियों में भाप लेना और गर्म पेय का सेवन करना सांस संबंधी समस्याओं को कम करता है। कफ और सांस फूलने की समस्या दिल पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है, इसलिए इससे बचाव जरूरी है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हार्ट अटैक से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता है। समय पर जांच, लक्षणों की पहचान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर दिल की बीमारियों को काफी हद तक रोका जा सकता है। दिल की सेहत को नजरअंदाज करना भविष्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। सर्दी हो या गर्मी, हृदय की देखभाल हर मौसम में जरूरी है-क्योंकि स्वस्थ दिल ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वितरण

हैदराबाद में तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, दाएं तीसरे, दूसरे मंत्रियों के साथ, हैदराबाद में दिव्यांग लोगों को सहायक डिवाइस बांटते हुए।

ईरान बातचीत के लिए राजी है : ट्रंप

दुबई/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान में प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने को लेकर ईरान पर जवाबी कार्रवाई संबंधी अमेरिका की धमकी के बाद इस पश्चिम एशियाई देश ने अमेरिका से संपर्क किया और बातचीत का प्रस्ताव रखा।

ईरान ने फिलहाल इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं व्यक्त की है। यह खबर ओमान के विदेश मंत्री की ईरान यात्रा के बाद आई है, जो लंबे समय से वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थ रहे हैं।

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने तेहरान में विदेशी राजनयिकों से बातचीत के दौरान तल्ख लहजे में कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने हिंसा के लिए इजराइल और अमेरिका को दोषी ठहराया, हालांकि उन्होंने इसका कोई सबूत पेश नहीं किया।

अराघची ने कहा, ''इसीलिए हिंसक और रक्तपातपूर्ण प्रदर्शन हुआ कि अमेरिकी राष्ट्रपति को हस्तक्षेप करने का बहाना मिल सके।'' कतर द्वारा वित्त पोषित अल जज़ीरा सैटेलाइट न्यूज नेटवर्क ने उनके बयान प्रसारित किए। अल जज़ीरा सैटेलाइट न्यूज नेटवर्क को देश में इंटरनेट बंद होने के बावजूद काम करने की अनुमति दी गई है।

इस बीच, सोमवार को ईरान ने सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर उतरकर धर्मतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन करने का आह्वान किया। यह 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के शासन को सीधे चुनौती देने वाले कई दिनों के विरोध प्रदर्शनों के बाद शक्ति प्रदर्शन था। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने भीड़ के नारों को प्रसारित किया, जिसमें लोग अमेरिका मुर्दाबाद! और इजराइल मुर्दाबाद! के नारे लगा रहे थे। ट्रंप ने वार्ता के प्रस्ताव को स्वीकार किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस की आंतरिक चर्चाओं से परिचित दो लोगों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के खिलाफ संभावित कदम पर विचार कर रही है, जिनमें साइबर हमले और अमेरिका या इजराइल द्वारा सीधे सैन्य हमले शामिल हैं। इन लोगों ने सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने की अनुमति न होने के कारण नाम गोपनीय रखने की शर्त पर यह जानकारी दी।

ट्रंप ने रविवार रात संवाददाताओं से कहा, ''सेना इस पर विचार कर रही है और हम बहुत सख्त विकल्पों पर भी विचार कर रहे हैं।''

ईरान की जवाबी कार्रवाई की धमकियों पर उन्होंने कहा, ''अगर उन्होंने ऐसा किया तो हम उन्हें ऐसे स्तर पर जवाब देंगे, जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा।''

प्रचार

नई दिल्ली में सोमवार को प्रोड्यूसर सूरज सिंह, दाएं, बॉलीवुड एक्टर पुलकित सम्राट, बीच में, और वरुण शर्मा आने वाली फिल्म 'राहु केतु' के प्रमोशन के दौरान।

सलमान खान डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते : चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सलमान खान भी लीड रोल में हैं। को दिए इंटरव्यू में चित्रांगदा ने फिल्म में काम करने के अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने सलमान के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके पास अनुभव का विशाल भंडार है। उनका काम दर्शकों पर गहरा असर छोड़ता है। से बात करते हुए चित्रांगदा ने कहा, ''सलमान खान परंपरागत तरीके से तैयारी करने वाले अभिनेता नहीं हैं। वह डायलॉग या सीन की प्रैक्टिस नहीं करते, बल्कि उनका अभिनय स्वाभाविक होता है। वह धीरे-धीरे किरदार की मानसिकता और भावनाओं को समझते हैं, और दर्शकों को यह पता ही नहीं चलता कि उन्होंने इसके लिए कितनी मेहनत की।'' चित्रांगदा ने कहा, ''सलमान का यह तरीका उन्हें ऑन-स्क्रीन हमेशा नया और दिलचस्प बनाता है। उनका अभिनय कभी भी उबाऊ नहीं लगता, क्योंकि वह हर सीन और भाव को सीधे या अनुमानित तरीके से नहीं निभाते, बल्कि अपने अलग अंदाज में पेश करते हैं।''उन्होंने कहा, ''सलमान का सहज और प्राकृतिक होना काम करने वालों के लिए प्रेरणादायक है। वह अपने सह-कलाकारों के साथ हमेशा ताजगी और ऊर्जा के साथ काम करते हैं। उन्होंने मुझे यह महसूस कराया कि अनुभव और सहजता का सही मेल किसी भी कलाकार को महान बना सकता है।'' बात करें अगर फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की, तो इसकी कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ।

न्यूयॉर्क शहर के कई प्रमुख अस्पतालों में हजारों नर्स हड़ताल पर

न्यूयॉर्क/एपी

न्यूयॉर्क शहर के तीन अस्पताल प्रणालियों में कार्यरत हजारों नर्स सोमवार को हड़ताल पर चली गईं, क्योंकि सप्ताहांत भर चली बातचीत से उनके अनुबंध विवादों में कोई सफलता नहीं मिली। माउंट सिनाई अस्पताल और इसके दो सहायक परिसरों में नर्सों को सुबह छह बजे से काम छोड़कर हड़ताल पर जाना था। इसके अलावा न्यूयॉर्क प्रेस्बिटेरियन और ब्रॉन्क्स स्थित मॉन्टेफियोर मेडिकल सेंटर के अस्पताल भी इससे प्रभावित हैं। न्यूयॉर्क स्टेट नर्सेज एसोसिएशन के अनुसार, लगभग 15,000 नर्स हड़ताल में शामिल हैं। यह हड़ताल अस्पतालों को मरीजों को स्थानांतरित करने, प्रक्रियाओं को रद्द करने या एम्बुलेंस को दूसरे मार्ग पर भेजने के लिए मजबूर कर सकती है।

इससे उन शहरी अस्पतालों पर भी दबाव पड़ सकता है, जो अनुबंध विवाद में शामिल नहीं हैं, क्योंकि मरीज हड़ताल से प्रभावित चिकित्सा केंद्रों में जाने से बचेंगे। यह हड़ताल फ्लू के गंभीर मौसम के दौरान हो रही है। हड़ताल के दौरान कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए संबंधित अस्पतालों ने अस्थायी नर्सों को काम पर रखा है और बातचीत के दौरान एक बयान में कहा है कि वे बाधाओं को कम करने के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह करेंगे। मॉन्टेफियोर ने मरीजों को आश्वासन देते हुए एक संदेश पोस्ट किया कि उनकी अपॉइन्टमेंट रद्द नहीं होंगी। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल और मेयर जोहरान ममदानी दोनों ने हड़ताल की संभावना पर चिंता व्यक्त की थी।

गायों की देखभाल के लिए आगे आए सोनू सूद, गोशाला को दी 22 लाख रुपए की मदद

मुंबई/एजेन्सी

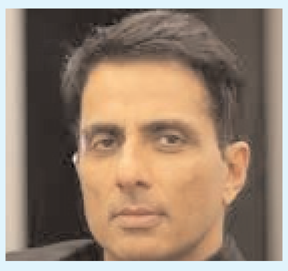

फिल्मी पर्दे पर दमदार एक्शन करने वाले हीरो दर्शकों को काफी पसंद आते हैं, लेकिन असल जिंदगी में हीरो वही होते हैं जो जरूरतमंदों के काम आते हैं। अभिनेता सोनू सूद बीते कुछ सालों में लोगों की मदद करते आए हैं। अब उन्होंने गुजरात में जानवरों के कल्याण के लिए बड़ा कदम उठाया है। सोनू सूद ने कई बार साबित किया है कि वे जमीन से जुड़े और जिम्मेदार इंसान हैं। कोरोना काल में प्रवासी मजदूरों की मदद से लेकर गरीबों की शिक्षा और इलाज तक, सोनू सूद का नाम मदद के कामों में हमेशा आगे रहा है। सोनू सूद ने गुजरात के वाराही में स्थित एक बड़ी गोशाला को 22 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है। यह गोशाला करीब 7,000 गायों का घर है, जहां बेसहारा, घायल और बचाई गई गायों की देखभाल की जाती है। इतनी बड़ी संख्या में गायों की सेवा करना आसान काम नहीं है। रोजाना उनके खाने, पीने, इलाज और रहने की व्यवस्था के लिए भारी संसाधनों की जरूरत होती है। ऐसे में सोनू सूद की यह मदद गोशाला के लिए किसी बड़ी राहत से कम नहीं है।

इस गोशाला की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत बहुत छोटे स्तर पर हुई थी। कुछ गायों से शुरू हुआ यह सफर आज हजारों गायों तक पहुंच चुका है। सोनू सूद ने जब इस गोशाला का दौरा किया तो वह काफी प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि जिस तरह यह गोशाला धीरे-धीरे बढ़ी और आज इतने बड़े स्तर पर काम कर रही है, वह पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। यह सिर्फ गोशाला चलाने वालों की मेहनत नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण की एक मिसाल है। सोनू सूद ने कहा, ''गोशाला में काम करने वाले लोग जो सेवा कर रहे हैं, उनके सामने मेरी यह मदद बहुत छोटी है। अगर मेरी तरफ से दिया गया सहयोग गायों की देखभाल को बेहतर बनाने में थोड़ा भी काम आए, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी होगी। यह राशि गोशाला में पशु चिकित्सा सुविधाओं, ढांचे को मजबूत करने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल की जाएगी।'' गोशाला के दौरे के दौरान वहां के लोगों से मिले अपनेपन को लेकर सोनू सूद ने कहा, 'मुझे वहां जाकर बहुत अच्छा महसूस हुआ। मुझे गर्व है कि देश में ऐसे लोग हैं जो बिना किसी स्वार्थ के जानवरों की सेवा में लगे हैं। मैं आगे भी इस गोशाला से जुड़ा रहूंगा और समय-समय पर यहां आता रहूंगा।''

'मर्दानी 3' बच्चियों के किडनैप की गुत्थी को सुलझाती दिखेंगी रानी मुखर्जी

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में जब भी मजबूत महिला किरदारों और सामाजिक मुद्दों पर बनी फिल्मों की बात होती है, तो यश राज फिल्म्स की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी का नाम ऊपर आता है। बीते एक दशक में 'मर्दानी' ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर अपनी पहचान बनाई, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी गहरी छाप छोड़ी। अब 'मर्दानी 3' का ट्रेलर सामने आया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। 'मर्दानी 3' का ट्रेलर अपनी शुरुआत से ही दर्शक को झकझोर देता है। पहले ही सीन में एक खेलती हुई मासूम बच्ची का किडनैप होना दिखाया जाता है। इसके बाद कहानी तेजी से आगे बढ़ती है और बताया जाता है कि शहर में लगातार छोटी-छोटी बच्चियों के अपहरण हो रहे हैं। माहौल डरावना लगता है। वहीं प्रशासन असहाय नजर आता है और हालात बेकाबू होते दिखते हैं। तभी इस केस को सुलझाने के लिए साहसी पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय को बुलाया जाता है। शिवानी के किरदार में रानी मुखर्जी एक बार फिर पूरी ताकत के साथ लौटती नजर आ रही हैं। जैसे-जैसे शिवानी जांच आगे बढ़ाती हैं, एक चौंकाने वाला खुलासा होता है। पता चलता है कि पिछले तीन महीनों में 93 बच्चियों को किडनैप किया जा चुका है। इन सभी अपराधों के पीछे एक ही नाम सामने आता है- 'अम्मा'। ट्रेलर में अम्मा का किरदार काफी खौफनाक है। बच्चियों को किडनैप कराने के बाद, वह उनके साथ क्या करती है, यह ट्रेलर में सस्पेंस रखा गया है।

इस बार 'मर्दानी 3' की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शिवानी का सामना किसी पुरुष अपराधी से नहीं, बल्कि एक महिला विलेन से है। 'अम्मा' का किरदार निभा रही दमदार अभिनेत्री मल्लिका प्रसाद को देख रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अम्मा बेहद चालाक, क्रूर और शातिर है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि वह पुलिस अधिकारी शिवानी को खरीदने की कोशिश भी करती है, लेकिन शिवानी शिवाजी रॉय किसी भी कीमत पर अपने फर्ज से समझौता नहीं करती।

रानी मुखर्जी का अंदाज इस बार पहले से ज्यादा सख्त, बेखौफ और गुस्से से भरा हुआ है। ट्रेलर में उनके डायलॉग्स सीधे दिल और दिमाग पर असर करते हैं। रिश्वत के पेशकश के एक सीन में शिवानी का डायलॉग है, 'तेरी बदकिस्मत है कि तेरा मुझ से पाला पड़ गया, जो तुझ जैसे से कट नहीं लेती, बल्कि तुझ जैसे तो काट कर रख देती है।'

फिल्म का निर्देशन अभिराज मीनावाला ने किया है, जबकि इसे यश राज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की कहानी लेखक आयुष गुप्ता ने लिखी है, जो पहले भी गंभीर और सच्ची घटनाओं से प्रेरित कहानियां लिख चुके हैं। 'मर्दानी' पहले मानव तस्करी और फिर एक साइकोपैथ अपराधी की मानसिकता जैसे मुद्दों को उठा चुकी है, और अब 'मर्दानी 3' बच्चियों की किडनैपिंग और तस्करी जैसी एक और सच्चाई को सामने लाने जा रही है। 'मर्दानी 3' 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आर्कटिक में रूस, चीन का मुकाबला करने के लिए नाटो के साथ बातचीत कर रहा ब्रिटेन

लंदन/एपी

ब्रिटेन उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में अपने सहयोगियों के साथ इस बात पर चर्चा कर रहा है कि रूस और चीन से उत्पन्न खतरों का मुकाबला करने के लिए आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा को कैसे मजबूत किया जा सकता है। सरकार के एक मंत्री ने रविवार को यह जानकारी दी।ब्रिटेन की परिवहन मंत्री हाइडी एलेक्जेंडर ने कहा कि ये वार्ताएं ''सामान्य प्रक्रिया'' का हिस्सा हैं और हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने की धमकियों के जवाब में नहीं की जा रहीं।ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि वह नाटो के सहयोगी डेनमार्क के अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए एक समझौता करना चाहते हैं, ताकि रूस या चीन उसे अपने नियंत्रण में न ले सकें।ट्रंप ने कहा था, ''हम ग्रीनलैंड को लेकर कुछ करने जा रहे हैं, चाहे वे इसे पसंद करें या नहीं।लगभग 57,000 की आबादी वाला ग्रीनलैंड डेनमार्क द्वारा संरक्षित है, जिसकी सैन्य क्षमता अमेरिका की तुलना में बहुत कम है। अमेरिका का वहां एक सैन्य अड्डा भी है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर कब्जा नाटो के लिए खतरा होगा।ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप प्रशासन द्वारा चेतावनियां दोहराए जाने के बाद अमेरिका और डेनमार्क के बीच तनाव बढ़ गया है।

अनुपम खेर की 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग जारी, ठंड में भी जोश बरकरार

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं। सोमवार को उन्होंने बताया कि वे दिल्ली एनसीआर में इसकी शूटिंग में व्यस्त हैं। अभिनेता अनुपम खेर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे कार में बैठे नजर आ रहे हैं। दिल्ली की ठंड का आनंद लेते हुए वे पुराने जमाने का गाना 'पुकारता चला हूं मैं' सुन रहे हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, खोसला का घोसला शूटा गुरुग्राम 5 डिग्री। बात करें गाने 'पुकारता चला हूं' की, तो यह साल 1965 की फिल्म 'मेरे सनम' में फिल्माया गया था। गाने में आशा पारेख और विश्वजीत चटर्जी ने अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरा था। इसे मोहम्मद रफी ने गाया था और ओपी नय्यर ने इसका म्यूजिक डायरेक्ट किया था। मजरूह सुल्तानपुरी ने इसके लिरिक्स लिखे थे। अभिनेता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं, वे आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट और फिल्म को लेकर पोस्ट शेयर करते रहते हैं। इससे पहले भी अभिनेता फिल्म को लेकर कुछ पोस्ट शेयर कर चुके हैं।

बता दें कि 'खोसला का घोसला 2' अनुपम खेर की 550वीं फिल्म है। इसकी पहली किस्त साल 2006 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस में काफी अच्छी कमाई भी की थी। दिबाकर बैनर्जी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनुपम खेर, बोमन ईरानी, विजय पाठक, रणवीर शौरी और प्रवीण डबास ने अहम भूमिका निभाई थी। डार्क कॉमेडी वाली यह फिल्म कल्ट बन गई थी।

'खोसला का घोसला 2' कहानी को आगे बढ़ाएगी, जिसमें परिवार, प्रॉपर्टी और हास्य का तड़का रहेगा। निर्देशक उमेश बिष्ट इसे और मजेदार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। फैंस को उम्मीद है कि यह सीक्वल भी पहले जैसी हिट साबित होगी। बताया जाता है कि 'खोसला का घोसला 2' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और साल 2026 में इसकी रिलीज की आशंका जताई जा रही है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली में सोमवार को बैडमिंटन प्लेयर पीवी सिंधु, बाएं, और एचएस प्रणय, नई दिल्ली में आने वाले 'योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026' टूर्नामेंट के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान।

'अकेली' में नुसरत भरूचा की दमदार एक्टिंग पर फिदा हुईं फराह खान

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में जब किसी कलाकार की मेहनत को उनके सीनियर की सराहना मिलती है, तो वह खास पल बन जाता है। हाल ही में कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान ने अभिनेत्री नुसरत भरूचा की खुलकर तारीफ की। 'द फराह खान शो' व्लॉग्स के सिलसिले में फराह नुसरत के घर पहुंची। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने न सिर्फ फिल्मों को लेकर बातें कीं, बल्कि एक्ट्रेस के घरेलू और सादगी भरे अंदाज को भी दिखाया। अपने व्लॉग्स में फराह सेलिब्रिटीज के घर जाकर उनके किचन में उनके साथ नई-नई रेसिपीज बनाती हैं। इसके साथ ही दर्शकों को उनके घर का टूर भी करवाती हैं। खाना बनाते-बनाते मजेदार बातें होती रहती हैं। नुसरत भरूचा ने फराह खान के लिए 'मटन उप्पु करी' डिश बनाई। फराह खान ने नुसरत की कुकिंग की तारीफ करते हुए कहा कि उनमें एक घरेलूपन है, जो उन्हें बाकी कलाकारों से अलग बनाता है।

बातचीत आगे बढ़ी तो फराह खान ने नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया। उन्होंने बड़ी सहजता से पूछा कि बतौर दर्शक उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। नुसरत की मां ने बिना किसी झिझक के 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'अकेली' का नाम लिया। यह सुनते ही फराह खान ने खासतौर पर फिल्म 'अकेली' का जिक्र किया और नुसरत की परफॉर्मेंस को शानदार बताया। फराह खान ने कहा कि 'अकेली' जैसी फिल्म करना आसान नहीं होता। उन्होंने नुसरत से कहा, ''पूरी फिल्म में वह अकेली स्क्रीन पर थीं और कहानी का पूरा बोझ उन्हीं के कंधों पर था।'' फराह ने मजाकिया अंदाज में कहा, ''फिल्म इतनी इंटेंस थी कि देखते समय उनका ब्लड प्रेशर तक बढ़ गया।

नुसरत ने जिस मजबूती और सच्चाई के साथ किरदार निभाया, वही फिल्म की सबसे बड़ी ताकत बनी।'' फराह खान ने नुसरत की तारीफ करते हुए आगे कहा, वह उन अभिनेत्रियों में से हैं जो शोर मचाए बिना अपना काम करती हैं। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह किरदार को सजाती नहीं हैं, बल्कि उसे जीती हैं। 'अकेली' में नुसरत की आंखें और उनकी खामोशी और डर को दिखाने का तरीका दर्शकों को सीधे कहानी से जोड़ता है। फिल्म 'अकेली' नुसरत भरूचा के करियर का एक अहम मोड़ मानी जाती है। इस फिल्म में उन्होंने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया, जो एक खतरनाक माहौल में अकेली फंस जाती है। पूरी कहानी उसी के इर्द-गिर्द घूमती है।

पोंगल पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अरुम्बाक्कम स्थित द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय संपूर्ण परिसर एक पारंपरिक तमिल ग्राम के रूप में अत्यंत मनोहारी रूप से परिवर्तित हो गया, जब महाविद्यालय परिवार ने थाईतिरुनल पोंगल पर्व का उल्लासपूर्वक आयोजन किया। उत्सव का शुभारंभ प्रातःकाल पारंपरिक गो-पूजा के पावन अनुष्ठान से हुआ, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक गरिमा एवं सांस्कृतिक विरासत से अभिसिंचित कर दिया। दिन भर के कार्यक्रमों के केंद्र में एक सुसज्जित मॉडल ग्राम की रचना की गई, जो उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ. एस. संतोष बाबू एवं अन्य ने मिलकर छात्रों के साथ पोंगल मनाया।

साधकों द्वारा हवन एवं यज्ञ का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्ना नगर के बालाजी मंदिर में हरि ओम स्माइल्स के महिला सदस्यों द्वारा नए वर्ष के उपलक्ष्य में भव्य पूजा, हवन एवं यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों साधकों ने हवन कुंडों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अपनी आहुतियां दी।

इस अवसर पर मंदिर प्रांगण वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो गया कार्यक्रम में प्रकांड विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार ध्यान और सामूहिक साधना से सभी उपस्थित साधक अभिभूत नजर आए।

हरि ओम स्माइल्स सर्वे भवन्तु सुखिन के ध्येय पर कार्य करती है यह जानकारी संस्था की सदस्य एवं समाजसेविका कल्पना भालोठिया ने दी है।

पोंगल महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट स्थित बादलचन्द सायरचन्द चोरड़िया जैन विद्यालय में पोंगल उत्सव के मौके पर गौपूजन के साथ पोंगल उत्सव का कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। तमिलनाडु का लोकनृत्य और पोंगल पर्व पर छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण दिया गया। ग्रामीण पद्धति द्वारा ढोल (मोलम) बजाकर छात्र-छात्राओं को स्कूल परिसर का भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महर्षि विद्यामंदिर मैट्रिकुलेशन स्कूल साहूकारपेट की प्रधानाध्यापिका एम. उषा रानी सहित अनेक शिक्षकगण एवं अभिभावकों के साथ विद्यार्थी उपस्थित थे।

सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में महावीर इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 11 जनवरी को एक सराहनीय सेवा परियोजना का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एसआरएससर्वोदय गर्ल्स हॉस्टल में संपन्न हुआ। नियांश जैन के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्य में जरूरतमंदों के लिए भोजन वितरण किया गया। इस पुनीत कार्य की प्रायोजक जयश्री जैन परिवार सहित एवं महावीर इंटरनेशनल सेवा ऑर्गेनाइजेशन के सदस्यों चेयरपर्सन वीरा शिल्पा बम्ब सेक्रेटरी वीरा सुलसा मुनोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई के विल्लीवक्कम में गुरुभक्तों ने तिरुपति के ब्रह्म ऋषि गुरु आनंदजी के जन्मदिन पर अन्नप्रसाद का वितरण किया गया।

राजभाषा संगोष्ठी से प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के प्रयोग पर हुआ मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई में विश्व हिंदी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यालयीन प्रशासन में हिंदी भाषा की महती भूमिका विषय पर राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई। क्षेत्रीय निदेशक(प्रभारी) वेणुगोपाल अल्लूरी ने संगोष्ठी में, विश्व भाषा के रूप में हिंदी के महत्व का वर्णन किया तथा कार्यालयीन कार्यों में इसकी महती भूमिका के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। इस संबंध में अधिकारियों के बीच विचार विनिमय हुआ जिसने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राजभाषा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया। इस अवसर पर कार्यालय में ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी तथा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

दक्षिण रेलवे में त्योहारों के मौसम में 374 विशेष ट्रेनों का संचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पोंगल उत्सव और सबरीमाला मंडल पूजा/मकरविलक्कू के दौरान यात्रियों और तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए, दक्षिण रेलवे ने तमिलनाडु, केरल और पड़ोसी राज्यों के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने वाली 69 विशेष ट्रेनों का संचालन करके व्यापक व्यवस्था की है।

दक्षिणी रेलवे ने पिछले दो महीनों में त्योहारों/छुट्टियों के दौरान अपने पैतृक स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों और सबरीमाला तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 69 विशेष ट्रेनों की कुल 374 यात्राओं की अधिसूचना जारी की है। जिसमें पोंगल त्योहार के दौरान 36 विशेष ट्रेनें चलाई गईं।

सबरीमाला सीजन के लिए 33 विशेष ट्रेनें चलाई गईं। सबरीमाला तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए, कोल्लम और कोट्टायम (सबरीमाला के निकट स्थित स्टेशन) से बेंगलूरु, चार्लापल्ली, नरसापुर, हैदराबाद, विशाखापत्तनम, नांदेड़ जैसे प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने वाली विशेष ट्रेनें चलाई गईं, साथ ही हुबली-तूतीकोरिन, मैसूर-तूतीकोरिन, कन्नूर-बेंगलूरु आदि के बीच भी ट्रेनें उपलब्ध कराई गईं। चेन्नई से तिरुचिरापल्ली, तिरुनेलवेली, सेनगोट्टई, नागरकोइल, रामेश्वरम, कन्नियाकुमारी और पोदनूर सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए 46 इंट्रा-जोनल विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त, त्योहारों के मौसम में यात्रियों की भीड़ कम करने और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए 29 नियमित ट्रेनों का समय अंतराल बढ़ा दिया गया है।

अपने गृह नगर लौट रहे यात्रियों के लिए सुगम, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करने और त्योहारों के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को कम करने के लिए इन विशेष ट्रेन सेवाओं की योजना बनाई गई है। ये अतिरिक्त सेवाएं नियमित ट्रेन सेवाओं के पूरक हैं और पोंगल उत्सव और सबरीमाला तीर्थयात्रा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायक हैं।

स्वास्थ्य संबंधित जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जीतो साउथ लेडीज़ विंग ने स्वास्थ्य एवं पोषण योजना के तहत 'लाइफस्टाइल रीसेट' विषय पर मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स से संबंधित एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन अरिहंत कॉलेज में किया, जिसमें 160 से अधिक सदस्याओं ने भाग लिया। उपाध्यक्ष लता बोहरा ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम में सिद्ध वेलनेस कोच नैना प्रवीन ने शारीरिक मेटाबॉलिज़्म की अवधारणा, मेटाबॉलिक डिसऑर्डर के कारणों तथा जीवनशैली में सुधार द्वारा इसके समाधान के उपायों को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया।

नैना ने प्रचलित स्वास्थ्य मिथकों को स्पष्ट करते हुए केवल फल-आहार, तथाकथित चीट डे तथा अत्यधिक जल सेवन जैसी आदतें हर व्यक्ति के लिए लाभकारी नहीं होतीं। इसके पश्चात प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी व मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव साक्षी ने किया तथा अस्मिता चौहान ने धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के दौरान लेडीज़ विंग साउथ द्वारा आयोजित 'फिटनेस फिएस्टा' फिटनेस कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के विजेताओं की भी घोषणा की गई।

ज्ञानशाला के 650 प्रशिक्षुकों ने दी ज्ञानशाला की परीक्षा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में ज्ञानशाला परीक्षा में 17 केन्द्रों से कुल 650 बच्चों ने परीक्षा दी एवं इसके अंतर्गत कुल 140 प्रशिक्षिकाओं ने अपनी सेवाएँ दी। महासभा से दक्षिण प्रभारी प्रकाशजी लोढ़ा, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, आंचलिक संयोजक माणक संचेती, महिला मंडल मंत्री विजेता रायसोनी, मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना, क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया, जोन संयोजिका बबीता चौपड़ा एवं अनीता नाहर ने परीक्षा की व्यवस्था संभाली। ज्ञानशाला से जुड़े अनेक श्रावक श्राविकाओं ने परीक्षा संयोजन में अपना सहयोग दिया।

धर्म के समक्ष परास्त होती है कर्म की शक्ति : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ मैलापुर स्थित जैन स्थानक में श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन में जो भी उपलब्ध किया जाता है वह जाग कर ही किया जाता है। जो जागता है सो पाता है। जीवन में सदैव जागरूक व सावधान बने रहना चाहिए। व्यक्ति संसार की उपलब्धियों के प्रति जितना सजग रहता है अपनी आत्मा के हित के प्रति उतना ही उदासीन बन जाता है।

आत्मा के हित के कार्य के सिवाय जितने भी कार्य हैं वे सब प्रमाद कहलाते हैं अपनी आत्मा का हित चाहने वाले साधक को प्रमाद से बचने का प्रयत्न करना चाहिए। पल भर का प्रमाद व्यक्ति के पतन का कारण बन सकता है। जीवन में करणीय कर्तव्यों की उपेक्षा और अकरणीय कार्यों में दिलचस्पी रखना जिंदगी की गंभीर भूल है। मुनिश्री ने कहा कि जब तक शरीर स्वस्थ है मन प्रसन्न है इन्द्रिय सशक्त हैं तब तक धर्म का आचरण कर लेना चाहिए। यह शरीर ढेर सारी व्याधियों का घर है !जब तक पुण्यबल सक्रिय है तब तक सभी रोग दबे हुए हैं। पुण्य क्षीण होने पर जब रोगों का उत्पात मचना शुरू हो जाएगा तब व्यक्ति चाहकर भी धर्म की आराधना करने में सक्षम नहीं हो पायेगा। हाथ मलते हुए यही कहना पड़ेगा कि अच्छे दिन पीछे गए, प्रभु से किया न हेत, अब पछताये क्या होत है जब चिड़िया चुग गयी खेत। मुनिश्री ने कहा कि दान देते धन गया, तप करते शरीर क्षीण हो गया और शील पालने में यौवन व्यतीत हो गया तो इनको व्यर्थ गया हुआ मत समझो। धन की सार्थकता दान देने में तन का सार व्रत धारण करने में और यौवन की सार्थकता सदाचार के पालन में है। जीवन का मार्ग संघर्ष और कठिनाइयों का मार्ग है इसे निर्बाध और निर्विघ्न बनाने के लिए धर्म का आलंबन जरुरी है। जीवन में कदम कदम पर कर्मों के खतरा का साया मंडरा रहा है। पुण्यवानी के क्षीण होते ही कर्म उत्पात मचाना शुरू कर देते हैं। मुनि श्री ने कहा कि धर्म के समक्ष ही कर्म की शक्ति शिथिल और परास्त होती है। जब तक शरीर की स्वस्थता और वातावरण की अनुकूलता है तब तक आत्म कल्याण और कर्म निर्जरा हेतु धर्म पुरुषार्थ के एक भी अवसर को गंवाने की भूल नहीं करनी चाहिए।

मंत्री विमलचंद खाबिया ने बताया कि सोमवार को कपिल मुनि जी म.सा. मैलापुर जैन स्थानक से विहार करके पी. एस. सिवसामी सालै स्थित महेन्द्र अरुणा बैद के निवास स्थान पर पहुंचे। इस मौके पर अध्यक्ष शांतिलाल चौरड़िया, पदमचंद बैद, इंदरचंद कांकलिया, महेन्द्र बैद, आलोक गोलेछा, अशोक चौरड़िया, अभय मेहता, संजय सेठिया, विशाल बैद, रितेश कांकलिया, सरोजा सोलंकी,अरुणा, छाया, हीना बैद आदि सहित अनेक श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

सरल हृदय में टिकता है धर्म : आचार्यश्री अरिहंतसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वर जी ने कहा कि भौतिक विकास आत्मा के लिए खतरनाक है। आत्मा को भटकाने का प्रमुख आलंबन यह भौतिक विकास है। साधना के लिए आलंबन जरूरी है। कौशल विकास के लिए भी आलंबन चाहिए। भगवान की वाणी, गुरुजन का संसर्ग, ज्ञान की पुस्तकें, स्वधर्मी का संयोग आत्मा के लिए श्रेष्ठ आलंबन है। निर्वाण के पूर्व भगवान महावीर ने जगत के जीवों के कल्याण के निष्वार्थ भाव से अपनी वाणी का आलंबन दिया। आचार्यश्री ने कहा कि प्रतिदिन जिनवाणी श्रवण करने से अपनी श्रद्धा मजबूत होती है। श्रद्धा से अपना पुरुषार्थ बढ़ता है। वाणी में शब्द होते हैं । इन शब्दों को हम अपने अनुकूल अर्थों में न लेकर आत्मा के हित में लेवें और कुतर्कों से बचे। श्रद्धावान सत्य को जल्दी स्वीकार कर लेता है। आचार्यश्री ने कहा कि धर्म सरल हृदय में टिकता है। सरल हृदय त्याग मार्ग को सरलता से अपना लेता है। संकल्प अपने मनोबल को मजबूत करते हैं। त्याग का महत्व है। नियम हमें सजग रखते हैं और नियंत्रित भी करते हैं। इससे पूर्व आचार्यश्री ने अलसूर में निर्माणाधीन नूतन जिनालय का निरीक्षण किया और प्रगति पर चर्चा की। संघ के अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि आचार्यश्री का मंगलवार का प्रवचन शूले स्थानक में आयोजित होगा।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.